हिन्दी दैनिक

मेरी ज़ुबान

Epaper : merijuban.com

मेरी ज़ुबान आपकी अवाज़

page 3 सोनेलाल पटेल को शाह-योगी ने दी श्रद्धांजलि

page 5 समान नागरिक संहिता हकीकत बनती है तो यह हमारे संविधान निमार्ताओं का बड़ा सम्मान होगा

page 6 आतंक फैलाने वाले पाकिस्तान को अपनी टीम भारत भेजने में क्यों लग रहा डर?

वर्ष :01 अंक : 32 | लखीमरु खीरी, सोमवार 03 जुलाई 2023 | पृष्ठ 08 | मूल्य 5.00 रूपया

साबरमती रिवर फ्रंट अहमदाबाद में सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र है : शाह

शाह ने कहा कि जब वह 1978 में अहमदाबाद में आकर बसे तो वह रिवरफ्रंट का निर्माण होने तक कभी साबरमती नदी देखने नहीं गए। उन्होंने कहा कि तब नदी में सिर्फ गंदा पानी हुआ करता था।

अहमदाबाद। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि साबरमती रिवर फ्रंट अहमदाबाद में सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र बन गया है। शाह ने नदी में अक्षर रिवर क्रूज का डिजिटल तरीके से उद्घाटन भी किया। शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की और कहा कि जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने कई ऐसी पहल की थीं, जिससे राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने में मदद मिली। शाह ने कहा कि जब वह 1978 में अहमदाबाद में आकर बसे तो वह रिवरफ्रंट का निर्माण होने तक कभी साबरमती नदी देखने नहीं गए। उन्होंने कहा कि तब नदी में सिर्फ गंदा पानी हुआ करता था। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा, तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी ने पहली बार रिवर फ्रंट की कल्पना की और इसके लिए योजना बनाई और उसका निर्माण भी उनके मुख्यमंत्री रहते ही हुआ। रिवर फ्रंट को न केवल अहमदाबाद में बल्कि देश-विदेश में भी जाना जाता है और यह पर्यटन का केन्द्र बन गया है। उन्होंने कहा, यह विभिन्न गतिविधियों का केन्द्र बन गया है। सुबह के वक्त लोग यहां सैर करते हैं, शाम के वक्त बुजुर्ग सैर करते हैं, बच्चे और युवा खेलते हैं। आज साबरमती रिवर फ्रंट अहमदाबाद के सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र बन गया है। शाह ने कहा कि रिवर फ्रंट में अक्षर रिवर क्रूज शहर के लिए नए आकर्षण का केन्द्र बनेगा। उन्होंने कहा कि दो इंजन वाला 30 मीटर लंबा लक्जरी क्रूज दो घंटे की यात्रा के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि इसमें संगीत कार्यक्रम, भोजन आदि की भी सुविधा होगी। शाह ने कहा कि लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्रूज 180 जीवन रक्षा जैकेट, आग बुझाने की प्रणाली और आपातकालीन बचाव नौकाओं से सुसज्जित है। शाह ने कहा कि गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद मोदी ने पर्यटन को प्राथमिकता दी और विभिन्न पहलों के माध्यम से राज्य को देश में पर्यटन का केंद्र बनाने की दिशा में काम किया। उन्होंने कहा कि मोदी ने पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए तीर्थस्थलों, सीमाओं को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़कर एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के वास्ते करोड़ों रुपये का निवेश किया।

विकास के लिए शिंदे सरकार में शामिल हुए : अजित पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के कुछ घंटे बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी ने देश के विकास के लिए एकनाथ शिंदे सरकार का हिस्सा बनने का फैसला किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की। उन्होंने राकांपा में किसी भी तरह के विभाजन से इंकार करते हुए कहा कि वे भविष्य के सभी चुनाव राकांपा के चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे। अजित पवार ने कहा कि (पार्टी के) सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों ने सरकार में शामिल होने के फैसले का समर्थन किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ सत्ता साझा करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए उन्होंने कहा, अगर हम शिवसेना के साथ जा सकते हैं, तो हम भाजपा के साथ भी जा सकते हैं। नगालैंड में भी यही हुआ। उन्होंने कहा, समग्र और व्यापक विकास को ध्यान में रखते हुए फैसला किया गया है। हमारे पास प्रशासन का व्यापक अनुभव है, हम बेहतर काम करने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं। पवार ने कहा, मंत्रियों के विभागों की घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी और हम तुरंत इस पर काम करना शुरू करेंगे। गौरतलब है कि अजित पवार ने रविवार को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जबकि राकांपा के आठ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली।

भुगतान के नाम पर चेकें देकर 18 लाख की धोखाधड़ी

शहर का स्टेशनरी व्यापारी हुआ शिकार, आरोपी सगे भाइयों पर रिपोर्ट दर्ज

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। शहर के एक स्टेशनरी व्यापारी को बकाया भुगतान के नाम पर पांच चेकें देकर 18 लाख रुपए की धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। व्यापारी ने जब भुगतान प्राप्त करने के लिए चेकों को बैंक षाखा में जमा किया, तो वह डिसआनर हो गई, जिसके बाद व्यापारी ने आरोपियों को नोटिस भी दी लेकिन कोई हल नहीं निकला। इससे परेषान होकर व्यापारी ने आरोपी सगे भाईयों पर सदर कोतवाली में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोहल्ला महाराजनगर निवासी स्टेशनरी व्यापारी मनीश गुप्ता ने पुलिस तहरीर देकर बताया है कि वह पाठ्य पुस्तक और स्टेशनरी का थोक व्यवसाय करता है। लखनऊ के थाना कृष्णानगर के मोहल्ला विनय नगर निवासी संजय कुमार सिंह व इनके भाई अजय कुमार सिंह को स्टेशनरी सप्लाई करते थे, जिसका शेष भुगतान बार बार मांगने पर भी नहीं दिया गया। मनीष का आरोप है कि छल, कपट, ठगी की नियत से संजय कुमार सिंह व अजय कुमार सिंह ने 11 फरवरी 2022 को पांच लाख रुपये की पहली चेक दी। इसके बाद 27 मार्च 2022 को चार लाख रुपये की चेक दी गई। मार्च में ही आरोपी संजय कुमार सिंह द्वारा तीसरी चेक दो लाख रुपये की दी गई। अप्रैल 2022 में चौथी चेक तीन लाख रुपये और पांचवीं चेक चार लाख रुपये की दी गई। इन पांचों चेकों की कुल धनराशि 18 लाख रुपये है। मनीष ने इन चेकों को भुगतान के लिए अर्बन कोआपरेटिव बैंक लखीमपुर में 23 जून 2022 को जमा किया, लेकिन आरोपियों द्वारा इन चेकों के भुगतान पर पहले ही रोक लगा दी गई थी। इससे सभी चेकें डिसऑनर हो गई। इस पर मनीष ने 21 जुलाई 2022 को नोटिस भेजकर आरोपियों को चेक डिसऑनर होने की सूचना दी और साथ ही अपने पैसे के भुगतान के लिए भी कहा। इसके बाद मनीश ने फोन द्वारा बात की, तो उधर से गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी मिलने लगी। मनीश ने यह भी आरोप लगाए हैं कि विपक्षीगण दबंग अपराधी हैं और इन्हें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। कोतवाली पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों संजय कुमार सिंह और अजय कुमार सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पूरी जमीन हड़पने की नियत से महिला ने बहन से की धोखाधड़ी, रिपोर्ट दर्ज

सदर कोतवाली क्षेत्र का मामला

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। माता-पिता की मृत्यु होने के बाद उनकी जमीन पर कब्जा करने के लिए एक महिला द्वारा अपनी सगी बहन के साथ ही धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित बहन की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की है। षहर के मोहल्ला पंजाबी कालोनी हाल पता ढखिया कुस्तौल थाना मितौली निवासी अंजू सिंह पुत्री भंवर सिंह पत्नी अवधेश सिंह ने बताया है कि उनकी सगी माता शांती देवी पत्नी भंवर सिंह ने अपने जीवनकाल में गांव छाउछ परगना खीरी में 0.12 एकड़ जमीन जरिए बैनामा क्रय की थी। बैनामा के बाद से उनकी माता उस जमीन पर काबिज थी। माता-पिता की मृत्यु के बाद वह यानी अंजू सिंह और उनकी बहन मंजू सिंह बतौर मृतका की पुत्री जायज वारिसान हुईं, लेकिन मंजू सिंह निवासी मोहल्ला पंजाबी कालोनी सुंदरपुरम हाल पता लुम्माव्वरी लैतुमखरा शिलांग मेघालय ने छल कपट व धोखाधड़ी से तहसील कर्मियों से जालसाज करके अंजू सिंह को छिपाकर माता शांती देवी की जमीन का स्वयं को एकमात्र वारिस दिखाया और अंजू के पति अवधेश के फर्जी बयान लगाकर उस जमीन का तहसीलदार सदर द्वारा 16 जनवरी 2007 को अपने पक्ष में आदेश पारित करा लिया। इसके बाद जब अंजू सिंह को इस धोखाधड़ी की जानकारी हुई, तो उन्होंने वाजदायर प्रार्थना पत्र देकर तहसीलदार द्वारा पारित आदेष को निरस्त कराया। इसके बाद अंजू सिंह ने अपनी बहन मंजू सिंह से बातचीत कर धोखाधड़ी किए जाने पर विरोध जताया, तो आरोप है कि मंजू सिंह ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। कोतवाली पुलिस ने मामले में आरोपी मंजू सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पत्नी की नाक काटने वाला आरोपी पति गिरफ्तार

मोबाइल न मिला तो पत्नी की मुंह से काट ली थी नाक

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। थाना मितौली पुलिस ने क्षेत्र के गांव बांसताली में गुस्से में आकर मुंह से पत्नी की नाक काटने वाले आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मितौली क्षेत्र के गांव बांसताली निवासी विक्रम पुत्र रामविलास ने गुस्से में आकर मुंह से पत्नी सीमा देवी की नाक काट ली और भाग गया था। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति पर मुकदमा दर्ज कर फरार चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है।

बांस ताली में रहने वाली सीमा देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार की रात करीब आठ बजे पति और बच्चों के साथ घर में थी। चार वर्षीय बेटी शोभी मोबाइल देख रही थी। पति मोबाइल मांग रहा था। मोबाइल न मिलने पर विक्रम नाराज हो गया और बेटी को पीटने लगा। सीमा ने बेटी को बचाने का प्रयास किया तो उसे भी पीटने लगा। विक्रम ने सीमा की नाक को मुंह से काट लिया और कटी हुई नाक जेब में रखकर भाग गया। पीड़िता ने रात में ही डायल 112 पर सूचना दी। इलाज के लिए उसे मितौली सीएचसी ले जाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सुबह सीमा अपने माता-पिता के साथ मितौली थाने पहुंची और तहरीर दी। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस मामला दर्ज कर अरोपी पति को रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 देवकरन शर्मा, हे0का0 राजेन्द्र यादव, का0 इन्द्रेश यादव शामिल रहे।

नशे की गिरफ्त में युवा पीढ़ी

स्कूल-कालेजों से लेकर पुलिस थानों के पास स्थित पान की दुकानों पर उपलब्ध मादक पदार्थ भरकर छोटी उम्र के बच्चे भी उड़ा रहे है धुएं का छल्ला

मेरी जुबान - संवाद्दाता

लखीमपुर-खीरी। ह्यकैप्टन गोगोह्न यह नाम आम लोगों के लिए भले ही नया हो, लेकिन नशेड़ी लोग इससे भलीभांति परिचित हैं। यह एक प्रकार की खाली सिगरेट (कागज) है। चरस, गांजा, स्मैक जैसा नशा लेने के लिए नशेड़ी इसका उपयोग करते हैं। इसे पान ठेलों में 10 से 15 रुपये में बेचा जा रहा है। सिगरेट के कागज और फिल्टर की जुगत वाले कैप्टन गोगो के जरिए जलाकर अथवा सूंघकर लिए जाने वाले नशे का चलन आम होता जा रहा है। इसकी गिरफ्त में सबसे ज्यादा युवा पीढ़ी हैं। मामूली सा दिखने वाला कागज कैप्टन गोगो आजकल नशेडि?यों की पहली पसंद बन चुका है। इसे हम आधुनिक चिलम के नाम से भी पुकारे तो कोई अतिशियोक्ति नहीं होगी, क्योंकि इस पेपर में ही शहर के युवा अब चिप्पड़, चरस, गांजा, अफीम और स्मैक भरकर पी रहे हैं। पूरे जिले भर में बेखौफ बिकने वाले इस साधारण से कागज को युवा पीढ़ी खुलेआम खरीद रही है। विशेषज्ञों के अनुसार कई रासायनिक पदार्थो से बने गोगो पेपर से यह नशा दोगुना हो जाता है। स्वस्थ के लिए हानिकारक माने जाने वाला यह पेपर आसानी से शहर की हर छोटी से बड़ी पान की दुकान, स्कूल-कालेजों से लेकर पुलिस थानों के पास भी स्थित है वहां भी मिल जाता है।

बेचने वाले कमा रहे मोटा मुनाफा

बड़े शहरों से शुरू हुआ नशे का कारोबार अब खीरी जिले के युवाओं को भी अपनी गिरफ्त में ले रहा है। महज दो से ढाई रुपए में मिल रहे इस कागज को 10 से 15 रुपये में बेचकर दुकानदार मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। यह शहर के पान की दुकानों पर आसानी से उपलब्ध है। हालांकि इस पर साफ-साफ लिखा हुआ है कि यह नाबालिगों की बिक्री के लिए नहीं है। फिर भी शहर के पान के ठेलों पर 14 से 17 साल के युवाओं को आसानी से मिल रहा है। यह सिर्फ कागज होता है न तंबाकू न नशे की अन्य सामग्री। इसलिए इसका कारोबार करने वाले किसी तरह के कानून से खुद को मुक्त मान रहे हैं। और युवा भी आसानी से कहीं भी खड़े होकर सिगरेट की भांति इसका प्रयोग करते देखे जाते हैं। खासबात यह है कि देखने वालो को लगता है कि हो सकता है लड़का सिगरेट पी रहा हो। लेकिन हकीकत इसके उलट ही होती है।

धुएं के दिवाने ऐसे करते हैं इस पेपर का उपयोग

सफेद, भूरे या अन्य रंग के बारीक कागज के अंदरूनी सिरे पर गोंद की परत रहती है जो इस हिस्से को लेमिनेशन जैसा कर देती है। साथ में एक मोटे कागज का टुकड़ा दिया जाता है। पतले कागज को रोल कर नीचे मोटा कागज जोड़ दिया जाता है। इसमें पहले से मौजूद गोंद की वजह से दोनों हिस्से चिपक जाते हैं। नीचे वाला मोटा कागज फिल्टर और धुआं खींचने के नोजल की तरह काम करता है, जबकि ऊपर का हिस्सा खाली सिगरेट की तरह। पहले अलग-अलग कागज दिए जा रहे थे, मगर आजकल बनी हुई कागज की खाली सिगरेट मिल रही है।

इन स्थानों पर इसका सेवन करते देखे जाते हैं युवा

शहर की अगर बात करें तो यहां के युवा इसका सेवन करने के लिए कोई एकान्त जगह ढूंढ़ते हैं। जैसे राजापुर स्थित नहर पटरी जो रामापुर की ओर जाती है, खीरी रोड स्थित नई बनी वैली, सेठघाट, आवास विकास स्थित नहर पटरी, गोला रोड राज पैलेस, विलोबी हाल सहित अन्य कई स्थानों पर इसका जमकर उपयोग हो रहा है।

तबादलों की रेलमपेल में पौधारोपण की डेट हुई डिरेल

जनपद में 94.86 पौधे लगाने का है लक्ष्य,24 विभागों को मिली है पौधारोपण कराने की जिम्मेदारी

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। जनपद में पौधारोपण अभियान की अभी शुरूआत नहीं हो पाई है। शासन द्वारा पौधारोपण अभियान के लिए डेट घोषित की जानी है, लेकिन हाल में कई विभागों में अधिकारियों के तबादले किए जा रहे हैं। इससे माना जा रहा है कि पौधारोपण अभियान के लिए अभी कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है। बता दें कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के शासनादेश के अनुसार इस वर्श पूरे प्रदेष में 35 करोड़ पौधारोपण अभियान एक जुलाई 2023 से चलाया जाना था, जिसमें खीरी जनपद में 94,86,200 पौधारोपण कराने का लक्ष्य मिला है। यह पौधारोपण 24 विभागों द्वारा मिलकर कराया जाएगा। इसमें सबसे अधिक 42,26,000 पौधे लगाने का लक्ष्य ग्राम्य विकास विभाग को दिया गया है, जबकि परिवहन विभाग को सबसे कम 3400 पौधारोपण कराने का लक्ष्य दिया गया है। जनपद में वन महोत्सव जुलाई के प्रथम सप्ताह में एक जुलाई से सात जुलाई 2023 तक मनाया जाता है। इसी समयावधि के दौरान पूरे जनपद में 94.86 लाख पौधे लगाए जाने हैं। पौधरोपण के लिए चिन्हित किए गए स्थानों पर गड्ढे खोदने का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। वन विभाग के दक्षिण खीरी वन प्रभाग को 11,30,900 पौधे और उत्तर खीरी वन प्रभाग 13,46,900 पौध लगाने हैं। पर्यावरण विभाग को 2,69,000 पौधे, ग्राम्य विकास विभाग को 42,26,000 पौधे, राजस्व विभाग को 3,52,000 पौधे, पंचायती राज विभाग को 4,27,000 पौधे, नगर विकास विभाग को 48,000 पौधे, लोक निर्माण विभाग को 24,000 पौधे, सिंचाई विभाग को 25,000 पौधे, रेशम विभाग को 33ए000 पौधे, कृषि विभाग को 8,73,000 पौधे, पशुपालन विभाग को 17,000 पौधे, सहकारिता विभाग को 18,620 पौधे, उद्योग विभाग को 31,000 पौधे, विद्युत विभाग को 13020 पौधे, माध्यमिक शिक्षा विभाग को 25,000 पौधे, बेसिक शिक्षा विभाग को 41,000 पौधे, श्रम विभाग को 3600 पौधे, स्वास्थ्य विभाग को 24,000 पौधे, परिवहन विभाग को 3400 पौधे, रक्षा विभाग को 8000 पौधे, उद्यान विभाग को 5,19,000 पौधे, पुलिस विभाग को 11,760 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। यह पौधे सभी विभागों को वन विभाग द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। डीएफओ साउथ संजय कुमार विस्वाल ने बताया कि पूरे प्रदेश के सभी जनपदों में एक दिन में पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा, जिसके लिए षासन स्तर से डेट घोषित की जानी है। वन विभाग की नर्सरियों में 1.40 करोड़ पौधे उपलब्ध हैं।

हर घर नल जल योजना को लगा पलीता

पाइप लाइन में लीकेज होने से गांव के प्रमुख रास्तों पर भर रहा पानी,भीषण जलभराव और कीचड़ की समस्या से जूझ रहे गांव के वासिन्दे

मेरी जुबान - संवाद्दाता

लखीमपुर-खीरी। हर घर नल जल योजना को पलीता लगाते देखना है तो चले आइए ब्लाक नकहा की ग्राम पंचायत बेलवा बंजरिया। यहां हर घर नल जल योजना के तहत गांव में डाली गयी पाईप लाइन जिम्मेदारों की उदासीनता की भेंट चढ़ गई है। जिससे गांव की सड़कों पर जल जमाव की समस्या बनी हुई है। विकास खंड नकहा की ग्राम पंचायत बेलवा बंजरिया की प्रमुख सड़के इन दिनों जल जमाव की समस्या से जूझ रहीं हैं। हर घर नल जल योजना के तहत गांव में डाली गयी पाइप लाइन के कार्य में महज खानापूर्ति हुई है। यह हम नहीं कह रहे यह बदहाली की दास्ता ग्राम पंचायत के वासिंदे बया कर रहें हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में डाली गयी पाइप लाइन के कार्य में जिम्मेदारों की कमीशन खोरी या उदासीनता के कारण गांव की प्रमुख सड़कें जलभराव की समस्या से जूझ रहीं हैं। जिससे गांव के वासिन्दों का जीवन अस्त व्यस्त है। ग्रामीणों ने बताया कि पानी की टंकी वा जमीनी पाइप लाइन ठेकेदार की लापरवाही से डाली गई है। जिसके चलते कई जगह पाइप लीक करने से ग्राम पंचायत की प्रमुख रास्ते कीचड़ व जल भराव की समस्या से जूझ रहें हैं। जिससे लोगो को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं सड़कों पर जमा हो रहा गंदा पानी ग्रामीणों को तरह-तरह की बीमारियों की दावत भी दे रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि पाइप लाइन डालने के कार्य में म हज खानापूर्ति की गयी है। जिससे गांव के प्रमुख रास्तों पर जल भराव और कीचड़ की समस्या बनीं हुई है। पाइप लाइन डालने के लिए खोदाई नहीं की गयी सिर्फ एक दो मिट्टी की परत हटा कर पाइप लाइन डाल दी गयी, जिससे सड़कों पर निकलने वाले वाहनों का भार पाइपें नहीं झेल पायीं और कई जगह टूट गयी। जिससे पानी लीकेज की समस्या बन हुई है। यह समस्या ग्रामीणों के लिए बेहद गंभीर बनी हुई है। लेकिन इस ओर किसी भी जिम्मेदार की नजर नहीं पड़ रही।

गोला के भोला की श्रृंगार पूजा का फेसबुक पर होगा लाइव प्रसारण

मेरी जुबान - गोला संवाददाता

गोला-खीरी। चार जुलाई से प्रारंभ हो रहे पवित्र सावन माह में छोटी काशी गोला के पौराणिक शिव मंदिर में प्रत्येक रात्रि होने वाली सिंगार पूजा का फेसबुक पर लाइव प्रसारण होगा। शिव मंदिर कमेटी के प्रमुख ने इसकी जिम्मेदारी नगर के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता महेश कुमार पटवारी को दी है। जो पिछले कई वर्षों से सावन माह में सिंगार पूजा का लाइव प्रसारण करते आ रहे हैं। कोविड-19 के चलते जिस समय देश के सारे मंदिर बंद थे उस समय भी मंदिर के अंदर भक्तों का प्रवेश तो बंद था लेकिन प्रत्येक रात्रि को भोले बाबा के श्रृंगार पूजा होती थी और कोविड-19 के दौरान पूरे एक महीने सावन माह में महेश कुमार पटवारी ने शिव मंदिर कमेटी की अनुमति से सिंगार पूजा का लाइव प्रसारण कर लाखों शिव भक्तों को गोला के भोला कि श्रृंगार पूजा के दर्शन करवाए थे। इसी क्रम में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शिव मंदिर कमेटी के प्रमुख जनार्दन गिरी द्वारा

महेश कुमार पटवारी को अपने फेसबुक पेज पर सिंगार पूजा के लाइव प्रसारण किए जाने की अनुमति दे दी है। जिसके चलते महेश पटवारी के फेसबुक पेज पर पौराणिक शिव मंदिर में भोलेनाथ की रोजाना होने वाली सिंगार पूजा का लाइव प्रसारण देर रात 9:00 बजे से या फिर जिस समय सिंगार पूजा प्रारंभ होगी उस समय से किया जाएगा। इस संबंध में महेश कुमार पटवारी ने बताया कि सावन माह में लाखों भक्त दूरदराज से गोला में आकर भोले बाबा का जलाभिषेक और गंगाजल लाकर गोला के भोला को अभिषेक करते हैं लेकिन हजारों शिवभक्त भोले बाबा के दर्शन नहीं कर पाते हैं। वह स्वयं अपने साथियों के साथ 14 वर्षों से फरुर्खाबाद से खड़ेश्री कावर में गंगाजल लाकर शिवजी को चढ़ाते रहे हैं। लेकिन कांवर यात्रा कोरोना काल में बाधित रही। इसी कारण लाइव प्रसारण का विचार आया और मंदिर कमेटी की सहायता से शासन की गाइडलाइन के अनुसार भक्तों को दर्शन पूजन को सुविधा मिलेगी। भोलेनाथ के सिंगार पूजा नित्य प्रति होगी। उन्होंने बताया कि बहुत से लोग बीमारी के चलते या ज्यादा उम्रदराज होने के कारण शिव मंदिर नहीं जा पाते हैं और मन मसोसकर रह जाते हैं ऐसे लोग भी अब प्रत्येक रात्रि सावन माह में महेश पटवारी के फेसबुक पेज पर सिंगार पूजा का लाइव प्रसारण देख सकते हैं।

एक सौ नब्बे ग्राम गांजे के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर-खीरी। थाना कोतवाली सदर पुलिस ने एक सौ नब्बे ग्राम अवैध गांजे के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के संबंध में एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए उसका चालान न्यायालय भेजा है। पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद और के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक

नेपाल सिंह के पर्यवेक्षण में पूरे जिले में अपराध की रोकथाम व अवैध मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत रविवार को कोतवाली सदर पुलिस ने एक सौ नब्बे ग्राम अवैध गांजा बरामद करके अभियुक्त मान सिंह पुत्र श्री राम सिंह निवासी मोहल्ला गढ़ी रोड काशीराम आवास ब्लॉक न० 4/62 को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त के संबंध में एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर उसका चालान न्यायालय भेजा है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में महिला उ0नि0 साधना यादव, हे0का0 अंकुर कसेरा, का0 राहुल सोनकर, का0 राज पांडेय शामिल रहे।

एक गूंज कपड़ा बैंक ने किया कपड़े का वितरण कपड़े पाकर खिल उठे चेहरे

संवाददाता

बरेली । समाज सेवी संस्था एक गूंज सेवा समिति बरेली उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में निरंतर ' एक गूंज कपड़ा बैंक ष के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद लोगों को निस्वार्थ भाव से कपड़े का वितरण किया जाता है एक गूंज सेवा समिति के अध्यक्ष बंटी ठाकुर ने कहा हमारा उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की मदद करना है संस्था द्वारा एक गूंज कपड़ा बैंक के माध्यम से सड़क किनारे झुग्गी झोपड़ियों में

पहुंचकर जरूरतमंद बच्चे , महिलाओं और पुरुषों को सम्मान पूर्वक जरूरत के हिसाब से कपड़े का वितरण करते हैं कपड़े पाकर चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ जाती है संस्था द्वारा अब तक 7500 परिवारों के बीच पहुंचकर कपड़ा और राशन और जरूरत का सामान वितरण किया जा चुका है। बृजेश गोस्वामी ने कहा समाज सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं जरूरतमंद लोगों की मदद करना हमारा मुख्य उद्देश्य है और इसी अभियान को निरंतर हम जारी रखेंगे।संस्था की सचिव अर्चना सिंह ने कहा संस्था द्वारा समय–समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिसमें निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण, निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण देकर बेटे और बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य संस्था द्वारा किया जा रहा है उन्होंने कहा झुग्गी झोपड़ी में पहुंचकर वहां रह रहे बच्चों को बाल श्रम ना कराया जाए इसके लिए उन्हें जागरूक करते हैं और शिक्षा के लिए प्रेरित किया जाता। रश्मि जोशी ने कहा संस्था द्वारा जो कार्य किया जा रहा है वह सराहनीय है और आगे निरंतर यह अभियान जारी रहेगा।संस्था को लगभग 4 साल हो गए हैं जो निरंतर निस्वार्थ भाव से जरूरतमंद लोगों की मदद कर रही है और भविष्य में भी मदद आगे करते रहेंगे। मनोरमा श्रीवास्तव ने कहा मानव सेवा से बढ़कर कोई समाज सेवा नहीं है इस अभियान से जुड़कर जो कार्य किए जाते हैं वह सराहनीय है और आगे यह अभियान निरंतर प्रगति की ओर जारी रहेंगे कपड़ा वितरण अभियान सिविल लाइंस क्षेत्र के पास किया गया जिसमें प्रमुख रुप से बंटी ठाकुर, बृजेश गोस्वामी, रश्मि जोशी, मनोरमा श्रीवास्तव, हर्षित, अभिषेक श्रीवास्तव,आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

गौशाला कर्मियों पर मृत गोवंशों के अवशेष बेचने का आरोप, वीडियो वायरल

जिलाधिकारी को कार्यवाही के लिए सौंपा पत्र

मेरी जुबान - संवाद्दाता

लखीमपुर खीरी। ब्लाक नकहा क्षेत्र के गांव भानपुर में स्थित गौशाला में गोवंशों के मृत अवशेष बेचने का आरोप गौशाला कर्मियों पर स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर सर्वधर्म मानव सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष श्याम किशोर गुप्ता व आशाराम ने लगाते हुए जिलाधिकारी को पत्र लिखा है। साथ ही मौके पर मरे व अधमरे पड़े गौवंश का वीडियो बनाकर वायरल किया है, जिसमें कुछ लोग अफसरों की उदासीनता से गौवंश पर हो रहे अत्याचार पर संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की अपील मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से

कर रहे हैं। संस्था के अध्यक्ष ने पत्र के माध्यम से बताया है कि भानपुर गौशाला में गौहत्या के अवैध व अमान्य कार्य किए जा रहें हैं। गौशाला की दयनीय स्थिति पर उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने गोवंशों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है। वायरल वीडियो में उन्होंने दर्जनों मृत गोवंशों को दिखाया है, जिसमें किसी की आंख फूटी है, तो किसी शव में कीड़े पड़ गए हैं। उन्होंने गौशाला संचालक पर घोर लापरवाही का आरोप लगाया है। यहां तक उन्होंने कहा कि गौशाला के निकट मृत गोवंशों को जमीन में गाड़ा जाता है, उसको भी गौशाला संचालक कसाई से मिलकर कब्र के अंदर गौवंशों के अवशेषों को निकलवाकर व्यापार करता है और मोटी रकम कमाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री से गोवंशों के संरक्षण के लिए गुहार लगाई है।

कोतवाली सदर पुलिस ने गिरफ्तार किया एक वारंटी

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर-खीरी। थाना कोतवाली सदर पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त

को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय पेशी के भेजा। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को थाना कोतवाली सदर क्षेत्र के गांव देऊवा निवासी जहीरुद्दीन पुत्र मंगू को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय पेशी के लिए भेजा। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 पशुपति नाथ तिवारी, हे0का0 शोभनाथ चौहान, का0 कुलदीप कुमार शामिल रहे।

दो दिन और बरसेंगे बादल, बिजली कड़के तो बरतें ये सावधानी

संवाददाता

बरेली । मानसून फिर सक्रिय हुआ तो लोगों को तपिश से काफी हद तक राहत मिली। शुक्रवार से शुरू हुई हल्की बारिश जारी रही। 24 घंटे में 14 मिमी बारिश हुई। अगले दो दिन तक बारिश के आसार है। दो दिन बाद उच्च वायुदाब का क्षेत्र बनने से चटख धूप निकल सकती है। भोर में हुई बारिश के बाद सुबह घने बादल छाए रहे। हल्की धूप निकली पर बादल की आवाजाही से बेअसर रही। निम्न वायुदाब का क्षेत्र बनने पर दोपहर 1रू30 बजे और शाम 5 बजे तेज बारिश हुई। रात में भी रिमझिम फुहारें झरती रहीं। मौसम विज्ञान केंद्र के

मुताबिक उच्च वायुदाब के चलते मानसून पूरी तरह सक्रिय नहीं हो सका था। भोर से मानसून की सक्रियता बढ़ी है जो अगले दो दिन तक जारी रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार के मुताबिक दो दिन बाद मानसून की सक्रियता कम होगी और चटख धूप निकलेगी। चार जुलाई के बाद तीन दिन तक धूप निकलने और बादल मंडराने की संभावना है। इस दौरान अनुकूल माहौल बनने पर हल्की बारिश अथवा खंडवर्षा हो सकती है। शनिवार को अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री कम 29.1 और न्यूनतम सामान्य से एक डिग्री कम 23. 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नमी सौ फीसदी और हवा की गति आठ किमी प्रति घंटे रही।

बिजली कड़के तो ये बरतें सतर्कता

खुले स्थान पर हैं तो तत्काल किसी पक्के मकान में आ जाएं।खुली छत पर हैं तो नीचे आ जाएं। खिड़की, दरवाजे, बरामदे से दूर रहें।रास्ते में हैं तो लोहे के खंभों वाले पुल के नीचे न रुकें, आसपास भी न रहें।ऊंची इमारतों वाले क्षेत्रों में शरण न लें, वहां बिजली गिरने का खतरा ज्यादा होता है।बंद वाहन में हैं तो उसी में रहें। एफएम या रेडियो न चलाएं।घर में चल रहे टीवी, फ्रिज आदि उपकरणों को बंद कर दें।तालाब, जलाशयों और स्वीमिंग पूल से दूरी बनाएं। समूह में खड़े हों तो दूर–दूर हो जाएं। आसपास बिजली या टेलीफोन के तार न हों।

क्षत्रिय पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं, करणी सेना जिला अध्यक्ष ने दी थाने में तहरीर

बरेली । भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण पर हुए हमले के बाद सहारनपुर में उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा क्षत्रियों को लेकर अभद्र टिप्पणी की गई। जिसको लेकर करणी सेना के जिला अध्यक्ष ठाकुर राहुल सिंह ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रेम नगर थाने पहुंचकर तहरीर देकर मुकदमा लिखने की मांग की है। सहारनपुर में हुए भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण के हमले के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं इस मामले में माहौल बिगाड़ने वाले बयान भीम आर्मी के उत्तराखंड प्रदेश

अध्यक्ष महक सिंह द्वारा दिए गए। महक सिंह द्वारा समस्त क्षत्रिय समाज के लिए लोगों के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया गया। क्षत्रियों को कहा गया कि यह अंग्रेजों की नाजायज औलाद है। वहीं यह वीडियो वायरल होने के बाद क्षत्रिय समाज में रोष व्याप्त है। उत्तराखंड के सिडकुल में इसको लेकर महक सिंह पर मुकदमा दर्ज हो चुका है। वहीं बरेली के करणी सेना के जिला अध्यक्ष ठाकुर राहुल सिंह ने तमाम क्षत्रिय कार्यकर्ताओं के साथ प्रेमनगर थाने में पहुंचकर आरोपी भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष महक सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही ठाकुर राहुल सिंह ने महक सिंह के खिलाफ तीखे शब्दों का प्रहार भी किया है।शिकायत करने वालों में लक्ष्मी प्रकाश मौर्य जिला अध्यक्ष किसान शक्ति,सुमित सिंह तहसील मंत्री,अरुण सिंह नगर अध्यक्ष,ऋषभ सिंह नगर उपाध्यक्ष,मोहित सिंह तहसील अध्यक्ष, वीरेश सिंह तहसील उपाध्यक्ष,राजकुमार कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आंवला में एनआईए ने पाकिस्तानी कनेक्शन के शक में पेंटर के घर मारा छापा

बरेली । पटना सहित बरेली में एनआईए की टीम ने रविवार सुबह छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया है। यह कार्रवाई एनआईए ने पाकिस्तानी कनेक्शन होने की आशंका के चलते अंजाम दिया है।आंवला थाना क्षेत्र के कटरा ग्वाल में रविवार सुबह करीब 5 बजे एनआईए ने दुबई से लौटे पेंटर तौहीद के घर पर पाकिस्तानी कनेक्शन के शक में छापेमारी की। चर्चा इस बात की भी है कि छापेमारी के वक्त एनआईए को तौहीद अपने घर पर मिला तो एएनआई ने उससे पूछताछ करने के साथ उसके मोबाइल के साथ कुछ दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए। इसके बाद एनआईए की टीम कुछ घंटे बाद स्थानीय पुलिस के साथ कटरा मौहल्ले से रवाना हो गई।बताया यह भी जा रहा है कि तौहीद ने कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की थी इसके बाद तौहीद को पाकिस्तानी महिला ने कमेंट किया था इसके बाद वह क्षेत्र में चर्चा में आ गया था।

युवक और उसका बड़ा भाई घर पर ही मिल गए

एनआईए की टीम ने दोनों युवकों से काफी देर तक पूछताछ की। पूछताछ के बाद युवक का मोबाइल फोन कब्जे में ले लिया गया। बताया जा रहा है कि युवक पेंटर के तौर पर पुताई का काम करता है। वह एक बार दुबई में काम करने गया था। वहां उसके पाकिस्तान की एक लड़की से संबंध हो गए।

कांवड़ यात्रा पर अत्याधुनिक कैमरों से रखी जाएगी निगरानी

बरेली । कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारियां तेजी से की हो रही है। कावड़ियों की सुरक्षा के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। कांवड़ यात्रा के रूटों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ–साथ स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के जरिए शहर भर में लगे 900 से अधिक सीसीटीवी कैमरों व ड्रोन से निगरानी की जाएगी। कांवड़ यात्रा को लेकर इस बार जमीन से लेकर आसमान तक से निगरानी हो रही है। पुलिस प्रशासन ड्रोन के जरिए सुरक्षा इंतजाम में लगा है वहीं अत्याधुनिक कैमरों के जरिए कांवड़ रूट पर पैनी नजर रहेगी। इसके लिए नगर निगम की नई बिल्डिंग में बना आईट्रिपलसी का सेंटर पर पुलिस, हैनीवेल कंपनी और बरेली स्मार्ट सिटी कंपनी की टीम नजर रखेंगी। किसी भी घटना की भनक लगते ही सीधे कंट्रोल रूम को सूचना की जाएगी। यहां तक नगर निगम की कांवड़ यात्रा वाले रूट पर तैनात टीम को भी इसकी जानकारी फोन के जरिए दी जाएगी। खास इंतजाम किए गए है ताकि शांतिपूर्ण यात्रा को सफल कराया जा सके। दरअसल इस बार की कांवड़ यात्रा पर ड्रोन कैमरे से भी नजर रहेगी। इसके साथ ही कावड़ यात्रा पर नजर रखने के लिए अन्य अत्याधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। यात्रा के दौरान रूटों पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी। बरेली स्मार्ट सिटी कंपनी के सीईओ निधि गुप्ता वत्स ने टीम के साथ शहर से सटे कांवड़ यात्रा के रूटों का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया।

बारिश होते ही कैमरों की मदद से मौके पर पहुंचे टीमें

सावन में मौसम कभी भी बिगड़ जाता है। ऐसे में कांवड़ यात्रा वाले मार्गों में कोई व्यवस्था न बिगड़े इसको लेकर नगर निगम प्रशासन ने 12 अधिकारियों की टीम लगाई है। नगरायुक्त इसकी मॉनीटरिंग भी करेंगी। सफाई कर्मचारी और सफाई निरीक्षक, सफाई नायक, एई, जेई और सुपरवाइजरों को लगाया गया है। बारिश होते ही कैमरों के जरिए सूचना मिलेगी कि किस रोड पर जलभराव है वहां टीम फौरन पहुंचेगी।

आईट्रिपलसी प्रोजेक्ट के तहत कांवड़ मार्गों पर नजर रखी जाएगी। पुलिस सहयोग हमारी टीम भी करेगी। इसके लिए टीम को लगाया गया है।

निधि गुप्ता वत्स, सीईओ बरेली स्मार्ट सिटी कंपनी

50 हजार घरों से कूड़ा उठना बंद, ठेकेदार ने नहीं जमा किया यूजर चार्ज

बरेली । शहर में लगभग 50 हजार घरों से डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन शनिवार से बंद हो गया। शहर के बाजार और पॉश कालोनी के घरों से कूड़ा लेने वाले नहीं आए तो ठेकेदार को फोन करके पूछा तो ठेकेदार ने नगर निगम से भुगतान नहीं मिलने की बात कहते हुए काम बंद करने की बात कही है। शहर में सिविल लाइंस, चौपुला, इस्लामियां, रामपुर गार्डन, कुतुबखाना, बरेली कॉलेज रोड, बड़ा बाजार, साहूकारा, कटरा मानराय, कोहाड़ापीर, बानखाना, राजेन्द्र नगर, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, डीडीपुरम, एकता नगर, जनकपुरी, संजय नग, आदि मोहल्लों में आनंद नारायण कॉन्ट्रेक्टर को डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन की जिम्मेदारी नगर निगम ने दी है। यह निगम के जोन–2 और जोन–4 में डोर टू डोर जाकर कूड़ा कलेक्शन करते हैं। इनके अलावा एक और कंपनी पाथया भी है। जो जोन–1 और 3 में यह काम करती है।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान
राजधानी | 3
लखीमपुर खीरी, सोमवार 03 जुलाई, 2023

सोनेलाल पटेल को शाह-योगी ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। आज अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल की जयंती लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मनाई जा रही है। मुख्य अतिथि गृहमंत्री अमित शाह, सीएम योगी आदित्यनाथ, दोनों डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य ने सोनेलाल को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर अमित शाह ने कहा, बीजेपी के करोड़ों कार्यकर्ताओ की ओर से सोनेलाल पटेल की जयंती पर उन्हें नमन करता हूं। सोनेलाल पटेल ने पिछड़ों के लिए काम किया। गृहमंत्री ने कहा, सोनेलाल पटेल ने तमाम संघर्षों के बावजूद पिछड़ों की लड़ाई जारी रखी। 4 चुनाव.(दो लोकसभा और दो विधानसभा) में मिलकर अपना दल और बीजेपी ने लड़ा और जीता भी है। मैं अपना दल के सभी कार्यकताओं से अपील करने आया हूं कि अपना दल, निषाद और बीजेपी तीनों मिलकर 2024 लोकसभा चुनाव में कमल खिलाने

का काम करना है। सभी सीटें जीतना है। बीजेपी सरकार में यूपी का चौतरफा विकास हुआ है। सीएम योगी ने यूपी का कायाकल्प किया। यूपी की कानून व्यवस्था को पटरी पर लाया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा, 2014 के अब तक यूपी में अपना दल एस और बीजेपी का गठबंधन बरकरार है। यह सबसे लंबे समय तक चलने वाला गठबंधन है। यह सब अमित शाह के समय रहते हुए संभव हुआ है। सीएम योगी ने कहा, कल्पना कीजिए 30 वर्ष पहले जिन मुद्दों को लेकर सोनेलाल पटेल ने संघर्ष किया था। पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले नौ साल में उन्हें साकार किया गया। सामाजिक न्याय को साकार करने का काम पीएम मोदी के नेतृत्व में किया गया। नए भारत को लेकर सोनेलाल पटेल ने जो सपना देखा था। उसमें इन नौ साल में प्रतापगढ़ में मेडिकल कॉलेज को सोनेलाल पटेल के नाम पर किया गया। कश्मीर के अंदर बाबा बफार्नी की यात्रा आज सुगमता से निकल रही है। एनडीए के घटक दल के हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास अठावले, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी मौजूद रहे।

जनशक्ति सम्मान समारोह में सम्मानित हुए पुलिस, पत्रकार व समाजसेवी

लखनऊ। मां गायत्री जनसेवा संस्थान व नीशु वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा जनशक्ति सम्मान समारोह का आयोजन नेशनल पीजी कालेज के सभागार में आयोजित किया गया जिसमें सेवा, सुरक्षा व लेखनी से जुड़े 31 पुलिसवालों, 21 पत्रकारों व 51 समाजसेवियों का सम्मान किया गया। प्रोग्राम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, मेयर लखनऊ सुषमा खरकवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष व एमएलसी व एसआर युनीवर्सिटी के पवन सिंह चौहान, पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया, युवा भाजपा नेता नीरज सिंह रहे तो वहीं संस्था के संरक्षक व विशिष्ट अतिथियों में विधायक सरोजनीनगर डॉ राजेश्वर सिंह, आरके चतुर्वेदी पूर्व आईजी उत्तर प्रदेश पुलिस, मुकेश बहादुर सिंह चेयरमैन इंडो अमेरिकन चौम्बर ऑफ कामर्स, संतोष श्रीवास्तव समाजसेवी व डायरेक्टर नीलांश ग्रुप, बृजेश सिंह, शाम्भवी सिंह, समीर शेख, अनुराग मिश्रा अन्नु समेत पुलिस अधिकारियों में डीके ठाकुर एडीजी पुलिस भर्ती बोर्ड, एस एम कासिम आब्दी डीसीपी, ह्रदेश कुमार आईपीएस, मनीषा सिंह एडीसीपी व नेशनल पीजी के प्रिंसीपल देवेन्द्र कुमार सिंह समेत कई विशिष्टजनों ने दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का आरंभ किया। मुख्य अतिथि डॉ दिनेश शर्मा ने कहा एक मंच पर सेवा, सुरक्षा और लेखनी का सम्मान होना बहुत गर्व की बात है और इसके लिए दोनों संस्थाएं बधाई की पात्र है क्योंकि जब यह तीनों (पुलिस पत्रकार और समाजसेवी) एक साथ काम करेंगे तो समाज के तानेबाने का मजबूती से बांधा जा सकता है और इनके कार्यों को सम्मानित करके अरूण प्रताप सिंह और गुंजन वर्मा ऐसे लोगों को उत्कृष्ट तरीके से कार्य करने के लिए प्रेरित करने का उत्तम काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

महिला से चेन स्नेचिंग, पीछे से आया लुटेरा चेन लूटकर भागा

लखनऊ। लखनऊ में पैदल जा रही महिला से चेन स्नेचिंग का मामला सामने आया है। गोमतीनगर स्थित विरामखंड पांच में बुजुर्ग महिला के गले से चेन लूटकर लुटेरा भाग गया। इस दौरान महिला सड़क पर गिर गई। उसे चोट भी आई है। पूरी घटना सीसटीवी में कैद हुई है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश में जुट गई है। विरामखंड-5 में शनिवार शाम बाइक से दो लुटेरे आए। आगे महिला पैदल जा रही थी। लुटेरों ने कुछ पीछे बाइक रोक दी। एक लुटेरा बाइक से उतरा और महिला का पीछा करने लगा। फिर झपट्टा मारकर चेन छीन ली। महिला बचाव की जद्दोजहद करती रही। वह सड़क पर भी गिरी। इतने में लुटेरा भागने लगा। महिला ने काफी दूर तक उसका पीछा किया, लेकिन बाइक पर बैठकर अपने साथी के साथ लुटेरा भाग गया। अनिवेश कुमार सिंह ने बताया कि उनकी मां शालिनी सिंह (60) शनिवार शाम करीब पांच बजे मोहल्ले में ही हो रहे सुंदरकांड पाठ में शामिल होने के लिए जा रही थीं। घर से कुछ दूर पहुंची ही थीं, तभी पीछे से दो बाइक सवार बदमाश आए। बाइक कुछ दूर पहले ही रोक दी। पीछे बैठा युवक उनके पीछे आया और झपट्टा मारकर चेन लूटकर बाइक से भाग निकला। मां के गले में चोट आ गई। इंस्पेक्टर गोमतीनगर के मुताबिक, तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द लुटेरे पकड़े जाएंगे।

सोनेलाल पटेल की जयंती में पहुंचे अखिलेश यादव,

लखनऊ। लखनऊ के लोहिया सभागार में अपना दल कमेरावादी सोनेलाल पटेल की जयंती मना रही है। कार्यक्रम में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पहुंचे। उन्होंने सोनेलाल पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। अखिलेश ने कहा, सोनेलाल पटेल जी कन्नौज के थे। हम भी कन्नौज से है। पहले कार्यक्रम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होना था। भाजपा की साजिश की वजह से कार्यक्रम कैंसिल हो गया। हम लोग जातीय जनगणना की बात कर रहे हैं, वह लोग हमें जातिवादी कहते हैं। गैर बिरादरी तभी खत्म होगी जब जातीय जनगणना होगी। कृष्ण पटेल ने कहा, सोनेलाल पटेल की जयंती पर जातीय जनगणना की परिचर्चा सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यकताओं ने कहा कि जातीय जनगणना जरूरी है। इससे जो सच्चाई है। वह सामने आ जाएगी। भाजपा सरकार पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए जिम्मेदार नहीं है। वह लोग चाहते है। पिछड़ा वर्ग और दलित वर्ग की मांग है कि जातीय जनगणना कराई जाए। सोनेलाल पटेल का जन्म कन्नौज के ग्राम बुगलयी में एक किसान परिवार में 2 जुलाई 1950 को हुआ था। उन्होंने अपने जीवन में किसानों, गरीबों व कमेरा समाज के उत्थान के लिए हमेशा संघर्ष किया। 17 अक्टूबर 2009 को एक सड़क दुर्घटना में उनका देहांत हो गया था। चार नवंबर 1995 को पार्टी का गठन किया था।

मसालों की कीमतों में वृद्धि के साथ अब तड़का मुसीबत में

लखनऊ। सब्जियों में खासकर टमाटर की बढ़ती कीमतों के बाद, अब तड़का मुसीबत में है। मसालों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि से रसोई का बजट गड़बड़ाने लगा है। जीरा सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला मसाला, सबसे महंगी रसोई सामग्री में से एक बन गया है क्योंकि कीमतें अप्रैल में 400 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 750 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, खरबूजे के बीज और लौंग जैसे कई अन्य मसालों की कीमतें भी बढ़ गई हैं। खरबूजे के बीज, जिनकी कीमत फिलहाल 750 रुपए किलो है, तीन महीने पहले 300 रुपए प्रति किलो बिक रहे थे। इसी तरह, लौंग की कीमतें अप्रैल में 1,000 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर अब 1,200 रुपए हो गई हैं। व्यापारी इसके लिए कम पैदावार, चक्रवात बिपरजॉय के कारण खराब परिवहन और अब मानसूनी बारिश को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। मांग और आपूर्ति में निश्चित तौर पर बेमेल है।हियागंज में एक किराने की दुकान के मालिक ने कहा कि हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते क्योंकि हम उन्हें बहुत अधिक कीमत पर खरीद रहे हैं। जीरा और तरबूज के बीज की कीमतें तीन महीने में लगभग दोगुनी हो गई हैं। बुआई के दौरान अधिक वर्षा के कारण मौसम के मिजाज में अचानक बदलाव के कारण प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में किसानों ने सरसों जैसी अन्य फसलों की ओर रुख कर लिया है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक बारिश से हल्दी और मिर्च जैसे अन्य मसालों की कीमतों में उछाल आ सकता है।

यूपी में 4 से 5 जुलाई को होगी भारी बारिश, अलर्ट जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून के आने के बाद जमकर बरसात हो रही है। लगभग प्रदेश के सभी जिलों में बारिश हो रही है। जिसकी वजह से तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है और लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान मुताबिक शनिवार को भी राजधानी समेत कई जिलों में बारिश हुई। विभाग ने आज भी कई जगहों पर तेज हवाएं चलने और मौसम सुहावना रहने की संभावना जताई है, लेकिन 4 और 5 जुलाई को प्रदेश में भारी बारिश होगी। इसके लिए अलर्ट जारी कर दिया है। बता दें कि यूपी में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो गया है। बारिश की वजह से मौसम का मिजाज बदल गया है। दिन के तापमान में कमी से लोग राहत की सांस ले रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अब लोगों को तपिश भरी गर्मी से छुटकारा मिल गया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 4 और 5 जुलाई को भारी बारिश होने का अनुमान है। इसके लिए अलर्ट जारी किया है। जहां लोगों को बारिश से राहत मिली है, वहीं कुछ जगहों पर लोगों को बारिश की वजह से परेशानी भी उठानी पड़ रही है। तेज बारिश के कारण उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर जलभराव की समस्या पैदा हो गई। नदी-नाले, तालाब-पोखर लबालब भर गए। लोगों को आने जाने में परेशानी हो रही है। कई जिलों में बिजली गुल हो रही है और लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक यूपी के बहराइच, श्रावस्ती, सीतापुर, बाराबंकी, गोंडा, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर और देवरिया, लखनऊ, उन्नाव, कानपुर नगर, औरैया, इटावा, जालौन, हमीरपुर, झांसी, महोबा, ललीतपुर, फतेहपुर, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, अयोध्या, बरेली, पीलीभीत, बदायूं, शाहजहांपुर, कासगंज, फरुर्खाबाद, मैनपुर, कन्नौज, हरदोई, लखीमपुर खीरी, अंबेडकर नगर, जौनपुर, आजमगढ़, वाराणसी, गाजीपुर, मऊ, बलिया और आसपास के जिलों में भारी बारिश होगी।

गोमती आरती के संग वन चले- श्रीराम रघुराई का भव्य मंचन आज

लखनऊ। सनातन महासभा द्वारा गुरु पूर्णिमा पर 114वी आदि गंगा माँ गोमती महाआरती का आयोजन 3 जुलाई सोमवार को झूलेलाल वाटिका, निकट श्री हनुमान सेतु गोमती तट पर शाम 6.30 बजे किया जाएगा। अध्यक्ष डा. प्रवीण ने बताया कि आरती के साथ ही सनातन समरसता समागम के अंतर्गत वन चले--श्रीराम रघुराई का भव्य मंचन भी होगा। उन्होंने बताया कि इस मंचन में लगभग 45 कलाकार शामिल होंगे और गुरु पूर्णिमा पर गुरुजी का आशीर्वाद लेते हुए भक्तों को प्रसाद वितरण भी होगा।

माल ढुलाई के लिए योगी सरकार गम्भीर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार संपर्क और मालढुलाई सुविधा बढ़ाने के इरादे से आठ नदियों को अंतदेर्शीय जलमार्ग के तौर पर इस्तेमाल और इसके लिए अंतदेर्शीय जलमार्ग प्राधिकरण स्थापित करने की योजना पर काम कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक यमुना, गोमती, अस्सी, घाघरा, राप्ती, बेतवा, चंबल और वरुणा सहित आठ नदियों को माल ढुलाई और परिवहन के लिए जलमार्ग के तौर पर इस्तेमाल करने की योजना है। जलमार्ग

प्राधिकरण में परिवहन, सिंचाई और पर्यटन विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। जलमार्गों के सर्वेक्षण का काम परिवहन विभाग के अधिकारियों के जिम्मे है।यह कदम शैमैरीटाइम इंडिया विजनश एमआईवी- 2030 का हिस्सा है, जिसमें 2030 तक अंतदेर्शीय जल परिवहन यानि आईडब्ल्यूटी की हिस्सेदारी को पांच प्रतिशत तक बढ़ाने की परिकल्पना है। भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार के इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर काम पहले ही शुरू हो चुका है।उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार का लक्ष्य इस योजना को बढ़ावा देना है।सूबे के परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह कहते हैं, उत्तर प्रदेश को प्रकृति ने बहुत सारी नदियों का उपहार दिया है। अतीत में इन नदियों की क्षमता की उपेक्षा की गई लेकिन हम नदियों को जनता के लिए और अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जलमार्ग विकसित करने की योजना इसी दिशा में एक कदम है।भारत सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार अंतदेर्शीय जल परिवहन कोयला, लौह अयस्क, सीमेंट, खाद्यान्न और उर्वरक जैसे थोक सामानों की ढुलाई के लिए परिवहन का सबसे किफायती साधन है। हम उत्तर प्रदेश में जलमार्गों को मजबूत करने और विस्तार करने के लक्ष्य को साकार करने के इरादे से आगे बढ़ रहे हैं।केंद्र सरकार का इरादा मैरीटाइम इंडिया विजन-2030 के अनुरूप जल परिवहन की हिस्सेदारी को पांच प्रतिशत तक बढ़ाने का है। गंगा विलास लक्जरी पोत ने भारत और बांग्लादेश में 27 नदियों के जरिए 3200 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की और इसने सार्वजनिक परिवहन के लिए जलमार्गों के उपयोग की योजना को एक प्रकार से बल दिया।अंतदेर्शीय जलमार्ग प्राधिकरण के गठन के बाद काम में तेजी आएगी। राज्य मंत्रिमंडल से इसे मंजूरी दिलाने की दिशा में भी काम चल रहा है।

निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज का प्रमुख सचिव नियोजन नें किया निरीक्षण

मेरी जुबान - संवाद्दाता

पीलीभीत। प्रमुख सचिव नियोजन उ. प्र. आलोक कुमार ने रविवार को जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार के साथ निमार्णाधीन मेडिकल कालेज का निरीक्षण किया। उन्होंने निमार्णाधीन मेडिकल कालेज के निर्माण कार्यों को देखा। निरीक्षण के दौरान निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज की मैप लेआउट के माध्यम से जानकारी ली। इसके साथ ही साथ उन्होंने टाइल्सीकरण के कार्य को देखा और उसकी गुणवत्ता परखी। निरीक्षण के दौरान लेक्चर रिसर्च लैब रिसेक्शन हाल लेक्चर थियेटर, बायो केमिस्ट्री लाबी कोरी डोर टाइप-4 आवास सीसीटीवी जोन रूम एलओपी सहित अब तक कराये गये कार्यों को देखा। निरीक्षण के दौरान आधे अधूर कार्य पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते कार्यों को तेजी से कराने के निर्देश

दिये। ब्रिक से बनाई गई दीवारों में मसाला भरने व प्लास्टर के कार्य में फिनिशिंग लाने के निर्देश दिए। हास्टल निरीक्षण के दौरान हॉस्टल में शौचालय व्यवस्था देखी। सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को कडे. निर्देश देते हुये कहा कि अतिरिक्त लेबर लगाकर कार्यों को समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने निमार्णाधीन कॉलेज में चल रहे कार्यों को तेजी से कराने के निर्देश दिये और सम्बन्धित संस्था को कड़े निर्देश देते हुये कहा कि निर्धारित मानकों के अनुसार समस्त कार्य करायें जाये। इस दौरान उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज के निर्माण की गुणवत्ता की अनदेखी की गई तो सम्बन्धित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि मेडिकल कॉलेज में विद्युत कनेक्शन पेयजल व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाऐं व समस्त कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज का कार्य समय से पूर्ण कर लिया जाये जिससे कि सत्र 2023-24 एकेडमिक सेशन में यहां पठन पाठन शुरू कराया जाए। इसके साथ ही साथ प्रमुख सचिव नियोजन एवं जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने परिसर में आम के पौधे रोपित किये।

विरोधी दलों की एकता में फूट डाल देगी भाजपा !

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए राजनीतिक पार्टियां अभी से तैयारी में जुट गई हैं। इलेक्शन में भाजपा के विरूद्ध लड़ने के लिए विपक्षी दल एक साथ आ रहे हैं। पटना में विपक्षी दलों की बैठक में 20 से ज्यादा दलों ने मिलकर इसकी पटकथा लिखी है। भाजपा ने विपक्षी दलों की एकता को तोड़ने का फॉमूर्ला ढूंढ लिया है। भाजपा खास रणनीति पर काम करने वाली है। उत्तर प्रदेश-पंजाब से लेकर दक्षिण भारत तक भाजपा उन पार्टियों से गठबंधन की कोशिश करेगी जो अभी विपक्षी एकता से दूर हैं। पार्टी सूत्रों की माने तो खास रणनीति के तहत भाजपा देशभर की 543 लोकसभा सीटों पर नजर रखने के लिए तीन जोन बनाने के मूड में है, जिनमें अलग-अलग प्रभारी होंगे। दिल्ली की हुकूमत यूपी तय करता है ,इसलिए इसपर खास फोकस है। उत्तर प्रदेश मे फिर भाजपा ओमप्रकाश राजभर की पार्टी एसबीएसपी से हाथ मिला सकती है। दोनों पुराने दोस्त हैं। इसका फायदा भाजपा को पूर्वांचल में मिल सकता है। भाजपा बिहार में मांझी, वीआईपी पार्टी के मुकेश सहनी और राम विलास पासवान के बेटे चिराग पासवान पर भी जोर लगा सकती। चिराग पासवान के चाचा पहले से ही एनडीए में एलजेपी कोटे से मंत्री हैं। भाजपा बिहार में नीतीश-लालू के विरूद्ध घेराबंदी कर रही है।दक्षिण में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवाने के बाद लोकसभा इलेक्शन में भाजपा को ज्यादा नुकसान न हो, इसलिए लिए देवेगौड़ा की पार्टी जेडीएस से हाथ मिला सकती है। भाजपा जेडीएस साथ आते हैं तो कर्नाटक में वोट परसेंटेज बढ़ सकता है।तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में मजबूती के लिए भाजपा चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी पर दांव लगा सकती है। दोनों का पहले भी गठबंधन रहा है। टीडीपी के साथ गठबंधन से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों में भाजपा की ताकत बढ़ सकती है।भाजपा अपने पुराने साथी शिरोमणि अकाली दल के साथ मिल सकती है। 2024 के लोकसभा इलेक्शन से पहले दोनों पार्टियों के बीच सुलह की संभावना है।बीजेपी को पंजाब में कांग्रेस और आप की चुनौती से पार पाना है तो अकालियों का समर्थन कारगर हो सकता है। भाजपा को यूपी, बिहार, पंजाब और दक्षिण से ज्यादा सीटें मिलती हैं तो बहुमत का आंकड़ा यानि 272 को पार करना मुश्किल नहीं होगा।

नॉलेज और स्किल के साथ कमिटमेंट जरूरी: कुलपति डॉ.बिजेंद्र सिंह

लखनऊ। रेडियो जयघोष संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश और जिम्सी कानपुर की ओर से 27 जून से 2 जुलाई तक उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी में संचालित मीडिया कार्यशाला के अंतिम दिन में रविवार को अकादमी परिसर में समापन समारोह आयोजित किया गया। उसमें मुख्य अतिथि, अयोध्या कुमारगंज स्थित आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.बिजेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नॉलेज और स्किल के साथ कमिटमेंट जरूरी है। उन्होंने मशविरा दिया कि पत्रकार के लिए जरूरी है कि वह नियमित डायरी लेखन करें। इसके साथ ही वह सकारात्मक पक्ष को समाज के समक्ष रखें। उन्होंने लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि इंतजार से बेहतर है कि कोशिश की जाए।वरिष्ठ एंकर अनीता सहगल वसुंधरा के सधे संचालन में हुए इस समारोह के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार और शिक्षाविद् नरेन्द्र भदौरिया ने कहा कि पत्रकार के मन में प्रश्न जरूर उठने चाहिए। दरअसल प्रश्न ही समाधान पेश करते हैं।

ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चला अभियान, चार सीज 6 का काटा चालान

मेरी जुबान - संवाद्दाता

पीलीभीत। रविवार सुबह एआरटीओ वीरेंद्र सिंह पीलीभीत,

बीसलपुर व पूरनपुर मार्ग पर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें 4 वाहनों को सीज कर 6 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही करते हुए 132000 रुपए शमन शुल्क वसूला गया। चेकिंग अभियान के दौरान 2 वाहन ओवरलोड संचालित होते पाए गए, इनके विरूद्ध पूरनपुर चीनी मिल चौकी पर सीज की कार्रवाई की गयी। बीसलपुर में दो ऐसे ईको जो प्राइवेट वाहन के रूप में हरियाणा में पंजीकृत हैं लेकिन व्यवसायिक वाहन की तरह रोहतक से लखीमपुर खीरी को सवारियां ढोती मिलीं। दोनों वाहन चालकों के पास सवारियों को ले जाने का परमिट, फिटनेस और टैक्स संबंधित प्रपत्र पूर्ण पाए गए। इनअभियोगों में दोनों वाहनों को बीसलपुर थाने में सीज कर दिया गया। इसी प्रकार 3 अन्य वाहन जिनका पिछले 6 माह से टैक्स नहीं जमा था और उनकी फिटनेस भी समाप्त थी। इनके विरूद्ध चालान की कार्रवाई की गयी। इस प्रकार कुल 4 वाहनों को सीज एवं 6 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही करते हुए 132000 रुपए प्रशमन शुल्क वसूला गया। एआरटीओ ने अवगत कराया की अपूर्ण प्रपत्र एवं ओवरलोडिंग करने वाले वाहनों के विरुद्ध लगातार चेकिंग अभियान चलाया जाता रहेगा।

नीति के विरुद्ध किया गया स्थानांतरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी स्थानांतरण नीति के प्रावधानों के विरुद्ध बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में मान्यता प्राप्त सुपरवाइजर एसोसिएशन के पदाधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है।जिससे पूरे प्रदेश में सुपरवाइजरों में आक्रोश बढ़ गया है और उन्होंने शासन को पत्र देने और जिला स्तर पर भी विरोध करने का निर्णय लिया है। आज सुपरवाइजर एसोसिएशन की आपात बैठक में इसे दुर्भावनापूर्ण और उत्पीड़न की कार्यवाही माना है। बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए सुपरवाइजर एसोसिएशन की प्रांतीय अध्यक्ष रेनू शुक्ला और महामंत्री शशीकांता ने कहा कि सरकार द्वारा जारी स्थानांतरण नीति 2023 में साफ कहा गया है कि किसी भी मान्यता प्राप्त संघ के अध्यक्ष एवं महामंत्री का स्थानांतरण पदभार ग्रहण करने के 2 वर्ष की अवधि तक नहीं किया जाएगा और स्थानांतरण नीति

में समूह ग और घ के बारे में जनपद में कार्य करने की कोई समय सीमा तय नहीं की गई है। बावजूद इसके सुपरवाइजर एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष, महामंत्री समेत जिला अध्यक्षों व मंत्री का स्थानांतरण कर दिया गया। जबकि पदाधिकारियों का चुनाव एक वर्ष पूर्व ही हुआ है और इस संबंध में बाकायदा विभाग को सूचना भी दी गई है। उन्होंने कहा कि दरअसल पदोन्नति, एसीपी जैसी न्याय उचित मांगों पर लंबे समय से सुपरवाइजर एसोसिएशन संघर्ष कर रहा है और इनके हल के लिए शासन स्तर पर वार्ता भी कर रहा है। लेकिन इसे हल करने की मंशा विभाग की नहीं है। इसलिए उत्पीड़न करने के लिए दुर्भावना प्रेरित पदाधिकारियों के ट्रांसफर किए गए हैं। जिसके विरूद्ध पूरे प्रदेश में सुपरवाइजर्स ने प्रतिवाद दर्ज किया है ।मुख्यमंत्री व विभागीय मंत्री को उचित माध्यम से पत्र भेजकर नियम विरूद्ध किए गए ट्रांसफर को वापस लेने की मांग की जाएगी।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान

लखीमपुर खीरी, सोमवार 03 जुलाई, 2023

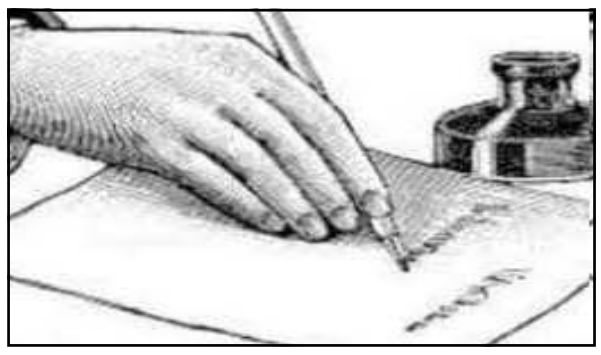

सम्पादकीय

चुनावी लाभ के लिये समान नागरिक संहिता का जुमला उछाल रही है भाजपा ?

हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनावों में पराजय और आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन और अगले कुछ माहों में ही होने वाले मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के विधानसभा चुनावों में भाजपा के घटते जनाधार के चलते 2024 में केंद्र की सत्ता हाथों से निकल जाने की मूर्त रूप ग्रहण करती जा रही संभावनाओं को किसी भी प्रकार से सामान्य जन की निगाहों से छिपाने और उसको विगत की भांति बडे स्वप्न दिखाकर किसी प्रकार सत्ता प्राप्त करने के लिये मत प्राप्त करने की कोशिशां के अन्तर्गत किसी भी तरह से मतों के ध्रुवीकरण की कोशिशों के अतिरिक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित भाजपा के सभी नेताओं के देश में समान नागरिक संहिता लागू करने की घोषणायें सिर्फ उसी प्रकार का चुनावी जुमला साबित होकर रह जायेगी, जिस तरह 2014 के लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सारे देश में घूम-घूम कर भाजपा के केन्द्र की सत्ता में आने पर विदेशों में जमा भारतीयों का कालाधन वापस लाकर देश के सभी नागरिकों के बैंक खातों में 15-15 लाख रुपए आने की घोषणा का हर्श हुआ है। यदि वास्तविक रूप में भाजपा का वास्तविक उदेश्य समान नागरिक संहिता को देश में लागू करने का होता, तो इसके लिये उसके प्रयास 2014 के मई माह में केंद्र की सत्ता में आने के बाद से ही प्रारंभ होकर उनका निरंतर रूप से संचालित रहना प्रत्येक प्रकार से अनिवार्य एवं अत्यावश्यक था। जबकि इस बारे में सबसे आखिर में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनावों के संपूर्ण प्रचार अभियान के दौरान प्रधानमंत्री ने एक शब्द भी बोलने की जरूरत महसूस नहीं की।दूसरी ओर मात्र एक वर्ष से कुछ पहले संपन्न मणिपुर, त्रिपुरा, मेघालय और गोवा विधानसभा के चुनावों में दिये गये प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री के भाषणों में उन राज्यों में गौ-मांस तथा बीफ को खाने पर किसी प्रकार की कोई रोक न लगाये जाने के आश्वासन खुले रूप में अनेकानेक जनसभाओं में दिया जाना सारे देश के समक्ष प्रमाणित रूप से उपलब्ध है। यह स्वयं में ही समझ में न आने वाला तर्क है कि केवल भारत सरकार के आदेश के आधार पर विगत 21 फरवरी, 2020 को गठित होने वाले 22वें राष्ट्रीय विधि आयोग द्वारा बिना किसी पूर्व प्रस्तावित परिकल्पना/प्रारूप को जारी किये, केवल 21वें राष्ट्रीय विधि आयोग द्वारा विगत 31 अगस्त, 2018 को जारी किये गये पारिवारिक कानूनों में सुधार के लिये विषय पर जारी विमर्श-पत्र के आलोक में अपनी वेबसाइट पर दिनांक : 14 जून, 2023 को जारी कर उसके आधार पर 30 दिनों की समयावधि अंतर्गत नागरिकों से उनके अभिमत को मांगे जाने का औचित्य आखिरकार क्या है ? आम आदमी किस आधार पर अपने अभिमत को व्यक्त करेगा और उसके प्राप्त सुझावों को किस प्रकार से किसी ऐसे कानून का स्वरूप प्रदान किया जा सकन संभव है ?क्या एक अध्यक्ष और चार सदस्यों वाले 22वें राष्ट्रीय विधि आयोग के लिए यह संभव भी हो सकता है कि वह सभी प्रस्तुत सुझावों को केवल पढकर विचारण में लेने का भी कार्य अपनी संपूर्ण कार्य अवधि में संपन्न कर सकें ? क्योंकि भाजपा नेताओं के सार्वजनिक बयानों के आधार पर अब तक 14-15 लाख लोगों के अभिमत प्राप्त हो चुकने और लगभग इतने ही और आना संभावित होने के आधार पर उनकी संख्या लगभग 30 लाख होना स्वाभाविक है। भारत में लगभग 4000 से अधिक भिन्न-भिन्न संस्कृतियों के लोग रहते हैं जिनके अपने-अपने रीति-रिवाज हैं और उनकी विविधता ही देश की विविधता में एकता का परिचायक है। यूनिफार्म सिविल कोड पर उनके अभिमतों को आखिरकार 30 दिनों की समयावधि अंतर्गत प्राप्त किया जा सकना किस प्रकार से संभव है और उसको प्रस्तुत करने के लिये इस देश के नागरिकों के समक्ष कौन सा प्रस्तावित कानून(ड्राफ्ट) उनके उपलब्ध है, जिसको पढने के उपरांत वह अपना किसी प्रकार का अभिमत व्यक्त कर सकें। क्या 22वां राष्ट्रीय विधि आयोग इस तथ्य को स्वीकार करता है कि इस देश के सभी नागरिक, जिनमें से स्वयं प्रधानमंत्री के अनुसार 80 करोड़ से अधिक गरीबी की सीमा रेखा से नीचे जीवन यापन करने के कारण सरकार के पांच किलो प्रतिमाह मुफ्त अनाज पर आश्रित लोग उसकी वेबसाइट पर जाकर अपना अभिमत दे पाने में आर्थिक, शैक्षिक एवं संसाधनों के आधार पर सक्षम हैं और क्या देश की कुल जनसंख्या के बहुमत वाले उस वर्ग के लोगों को अपनी राय रखने का कोई भी वास्तविक अवसर प्रदान किये उसके द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली कोई आख्या विधिक एवं नैतिक रूप से स्वीकार्य हो सकती है ? क्या वह ऐसे किसी यूनीफार्म सिविल कोड को बनाना चाहता है, जिसमें देश के बहुसंख्यक लोगों की ही किसी प्रकार की कोई भागीदारी न हो ? अगर नहीं, तो 22वें राष्ट्रीय विधि आयोग की इस पूरी कवायद का उद्देश्य केवल उसकी नियुक्तिकर्ता सरकार के सत्तारूढ़ दल को आगामी चुनावों में लाभ पहुंचाने के लिये शुरूआत की जाने वाली गैर-गंभीर प्रक्रिया क्योंकर निरूपित नहीं किया जाना चाहिए, जिसकी अंतिम परिणीति हो सकना अगले अनेकानेक वर्षों तक में भी कदापि संभव नहीं है। इसकी अंतिम परिणीत केवल भाजपा के राजनीतिक लाभ को दृष्टिगत रखते हुए उसे मतों का ध्रुवीकरण करने का एक अवसर उपलब्ध कराने से आगे और कुछ नहीं है। इस प्रक्रिया अन्तर्गत उत्तराखण्ड सरकार द्वारा लागू किया गया यूनिफार्म सिविल कोड संविधान के अनुच्छेद : 44 के विपरीत होने के कारण प्रभावी नहीं हो सकेगा। इससे उसकी भी अंतिम परिणीति टांय-टांय फिस्स की ही होनी निश्चित है।

उमाशंकर पटवा, संपादक.

मेरी जुबान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक जयकिशोर वर्मा द्वारा जीवनदीप प्रिन्टर्स, जोड़ी बंगला, लखीमपुर खीरी से मुद्रित एवं "मेरी जुबान" हिन्दी दैनिक कार्यालय जिला पंचायत प्रागण गेट नं. 02, लखीमपुर खीरी-262701 उ.प्र से प्रकाशित
मो.99199596972
E-mail : merijuban@gmail.com
Website : www.merijuban.com
संपादक: उमाशंकर पटवा
मो. 9411081671

देश की जरूरत,समान नागरिक संहिता

अब वह समय आ गया है कि भारत में समान नागरिक संहिता लागू कर दी जाए। एक लम्बे अरसे से देश की जनता को इसकी जरूरत महसूस हो रही है। एक देश दो कानून वैसे भी लोकतंत्र के खिलाफ है। समान नागरिक संहिता के खिलाफ दुष्प्रचार इसीलिए किया जा रहा है क्योंकि आम लोगों को इसका भान नहीं है कि उसमें क्या और कैसे प्रविधान होंगे? इसे देखते हुए उचित यह होगा कि विधि आयोग लोगों के सुझाव प्राप्त कर यथाशीघ्र समान नागरिक संहिता का कोई मसौदा देश की जनता के विचारार्थ पेश करे। इससे ही समान नागरिक संहिता को लेकर दुष्प्रचार करने वालों पर लगाम लगेगी।विधि आयोग की ओर से समान नागरिक संहिता पर लोगों से सुझाव मांगने के बाद भोपाल की एक सभा में प्रधानमंत्री का यह कहना उल्लेखनीय है कि यह संहिता समय की मांग है। इसका अर्थ है कि उनकी सरकार समान नागरिक संहिता के निर्माण को लेकर प्रतिबद्ध है। यह अच्छा हुआ कि उन्होंने इसका उल्लेख किया कि कुछ राजनीतिक दल समान नागरिक संहिता को लेकर मुसलमानों को भड़काने का काम कर रहे हैं। यह काम वास्तव में हो रहा है।अनेक राजनीतिक दल और कुछ सामाजिक-धार्मिक संगठन जिस तरह समान नागरिक संहिता के खिलाफ खड़े होते दिख रहे हैं, वह शुभ संकेत नहीं। समान नागरिक संहिता के खिलाफ उठ रही आवाजें न केवल संविधान निमार्ताओं के सपनों के विरुद्ध हैं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों की अनदेखी करने वाली भी हैं। इसके अतिरिक्त ये एक देश में दो विधान की स्थिति बनाए रखने वाली भी हैं।विश्व के किसी भी पंथनिरपेक्ष देश में अलग-अलग निजी कानून नहीं हैं, लेकिन भारत में वे इसके बाद भी बने हुए हैं कि संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में यह लिखा गया है कि राज्य देश के सभी लोगों के लिए एक समान कानून बनाएगा। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदुओं के निजी कानूनों को तो संविधान लागू होने के कुछ समय बाद ही संहिताबद्ध कर दिया गया, लेकिन अन्य समुदायों के निजी कानून बने रहने दिए गए। निःसंदेह ऐसा वोट बैंक की सस्ती राजनीति के कारण किया गया। इसका कोई मतलब नहीं कि सात दशक बाद भी अलग-अलग समुदाय भिन्न-भिन्न निजी कानूनों के जरिये संचालित होते रहें और वे भी तब, जब उनके कारण महिलाओं के अधिकारों की उपेक्षा होती हो और वे अन्याय का शिकार बनती हों। समान नागरिक संहिता को लेकर लोगों को किस तरह गुमराह किया जा रहा है, इसका पता इससे चलता है कि कुछ राजनीतिक दल यह प्रचारित करने में लगे हुए हैं कि इससे विभिन्न समुदायों की धार्मिक आजादी में हस्तक्षेप होगा।यह निरा झूठ है। समान नागरिक संहिता से किसी समुदाय की धार्मिक रीतियों में कोई हस्तक्षेप नहीं होने वाला। वह तो केवल सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में सहायक होगी। जैसे बाल विवाह, तीन तलाक की कुप्रथा खत्म करने की जरूरत थी, वैसे ही उन कुरीतियों को भी खत्म किया जाना चाहिए, जिनके कारण महिला अधिकारों का हनन होता है। वास्तव में इसी कारण कई बार विभिन्न उच्च न्यायालय और यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय भी समान नागरिक संहिता की आवश्यकता जता चुका है। समान नागरिक संहिता के खिलाफ दुष्प्रचार इसीलिए किया जा रहा है, क्योंकि आम लोगों को इसका भान नहीं है कि उसमें क्या और कैसे प्रविधान होंगे ? इसे देखते हुए उचित यह होगा कि विधि आयोग लोगों के सुझाव प्राप्त कर यथाशीघ्र समान नागरिक संहिता का कोई मसौदा देश की जनता के विचारार्थ पेश करे। इससे ही समान नागरिक संहिता को लेकर दुष्प्रचार करने वालों पर लगाम लगेगी।समान नागरिक संहिता के मामले में यदि विपक्षी दलों के साथ-साथ कांग्रेस के पास कहने को कुछ है तो केवल यही कि आखिर उसकी पहल इसी समय क्यों की जा रही है ? यह कुछ वैसा ही कुतर्क है जैसा अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दिया गया था। तब यह कहा गया था कि इस मामले की सुनवाई आम चुनाव के बाद की जानी चाहिए। कुछ विपक्षी दलों ने समान नागरिक संहिता पर जिस तरह सकारात्मक और तार्किक रवैया अपना लिया है, उससे कांग्रेस की दुविधा बढ़ जाना स्वाभाविक है। कई विपक्षी नेताओं के साथकांग्रेस के भी कुछ नेता समान नागरिक संहिता को समय की मांग बता रहे हैं। कांग्रेस को वोट बैंक की सस्ती राजनीति के कारण वैसी कोई भूल करने से बचना चाहिए, जैसी उसने शाहबानो मामले में की थी। इसकी कीमत केवल उसे ही नहीं, देश को भी चुकानी पड़ी।यदि शाहबानो मामले में राजीव गांधी की सरकार कट्टरपंथी तत्वों के आगे झुकने के बजाय संविधानसम्मत फैसला करती और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ खड़ी होती तो आज स्थिति दूसरी होती। समान नागरिक संहिता का निर्माण लंबित रहना एक तरह से संविधान निमार्ताओं के सपनों को जानबूझकर न पूरा करना है। कांग्रेस को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू ने तमाम विरोध के बाद भी हिंदू कोड बिल के मामले में किस तरह दृढ़ रवैया अपनाया था। यूनिफॉर्म सिविल कोड का अर्थ होता है समान नागरिक संहिता। संविधान में भारत में रहने वाले सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून का प्रावधान है ,फिर चाहे वह किसी भी जाति,धर्म, समुदाय से संबंधित हो।समान नागरिक सहिंता में शादी, तलाक और जमीन जायदाद के हिस्से में सभी धर्मों के लिए केवल एक ही कानून लागू किया गया है। न्दपवितउ ब्पअपस ब्वकम का अर्थ स्पष्ट है सभी नागरिकों के लिए एक कानून। इसका किसी भी समुदाय से कोई संबंध नहीं है। इस कोड के तहत राज्य में निवास करने वाले लोगो के लिए एक समान कानून का प्रावधान किया गया है। यानी की धर्म के आधार पर किसी भी नागरिक को विशेष लाभ नहीं मिलेगा।भारत में अभी सिर्फ एक राज्य है जहाँ यूनिफार्म सिविल कोड लागू है वह राज्य है गोवा। गोवा में पुर्तगाल सरकार के समय से ही यूनिफार्म सिविल कोड को लागू किया गया था। वर्ष 1961 में गोवा सरकार यूनिफार्म सिविल कोड के साथ ही बनी थी। भारतीय संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 44 के अंतर्गत भारतीय राज्य को देश में सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता का निर्माण करने को कहा गया है जो पुरे देश में लागू होता हो। यूनिफॉर्म सिविल कोड पूरे देश में एक समान कानून लागू करता है। इसमें सभी धर्म के नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, गोद लेना, विरासत आदि के कानूनों में समानता दिए जाने का प्रावधान है। संविधान के अनुच्छेद 44 में राज्य भारत के सभी क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक सहिंता को सुनिश्चित करने को कहा गया है।अभी तक अलग-अलग राज्यों के अलावा केंद्र सरकार की ओर से भी यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के विषय में चर्चा की गयी है। लेकिन अभी तक भी इस मुद्दे में कार्यान्वयन नहीं हो पाया है। विश्व में समान नागरिक सहिंता अमेरिका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, तुर्की, इंडोनेशिया, सूडान, आयरलैंड, मलेशिया में लागू है। अगर देश में समान नागरिक सहिंता लागू होने पर सभी समुदाय के लोगो को एक समान अधिकार दिए जायेंगे।लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा। समान नागरिक सहिंता लागू होने से भारत की महिलाओं की स्थिति में सुधार होगा। कानूनों में सरलता और स्पष्टता आएगी। सभी नागरिकों के लिए कानून समझने में आसानी होगी। व्यक्तिगत या धर्म कानूनों के आधार पर होने वाले भेदभाव को समाप्त किया जा सकेगा।कानून के तहत सभी को सामान अधिकार दिए जायेंगें।कुछ समुदाय के पर्सनल लॉ में महिलाओं के अधिकार सीमित है। ऐसे में यदि न्दपवितउ ब्पअपस ब्वकम लागू होता है तो महिलाओं को भी समान अधिकार लेने का लाभ मिलेगा।महिलाओं का अपने पिता की सम्पति पर अधिकार और गोद लेने से संबंधी सभी मामलों में एक सामान नियम लागू हो जायेंगे।मुस्लिम समाज में बेटी की शादी की न्यूनतम आयु 9 साल है। समान नागरिक सहिंतालागू होने से मुस्लिम लड़कियों की छोटी आयु में विवाह होने से रोका जा सकेगा। धार्मिक रूढ़ियों के कारण समाज के किसी वर्ग के अधिकारों के हनन को रोका जा सकेगा।मुस्लिम समाज में अभी भी कई तरह के तलाक हो रहे हैं जिनका खामियाजा मुस्लिम महिलाओं को भुगतना पड़ रहा है। यूसीसी के लागू होने से सभी समुदाय में तलाक की प्रक्रिया एक जैसे होगी। 1995 के सरला मुद्गल केस में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले के साथ साथ 2019 के पाउलो कॉटिन्हो बनाम मारिया लुइजा वेलेंटीना परेरा मामले में यूसीसी को लागू किये जाने को कहा गया था। यूनिफॉर्म सिविल कोड को संविधान में दिए गए मौलिक अधिकार धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार से संबंध से पेश किया जा रहा है। इण्डियन काउन्सिल में आर्टिकल 25 से 28 तक धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार की विवेचन किया गया है।इसके अंतर्गत देश में रहने वाले सभी नागरिकों को धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी दी गयी है। प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म का शांतिपूर्ण क्रिया करने और बढ़ावा देने का अधिकार दिया गया है। संविधान के आर्टिकल 44 के भाग 4 में यूसीसी की चर्चा की गयी है। इस आर्टिकल में राज्य को देश में सभी नागरिकों के लिए एक यूनिफार्म सिविल कोड लागू करने के लिए कहा गया है। ऐसे में संवैधानिक आधार पर अब हर हाल में देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का वक्त आ चुका है।

अमेरिका में नस्लभेद

पूरी दुनिया को मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता का पाठ पढ़ाने वाले अमेरिका में नस्लभेद की घटनाएं रोजमर्रा की बात है। अमेरिका में एक के बाद एक हो रही नस्लभेद की घटनाएं उसके तमाम वादों की पोल खोल देती है। नस्ल के आधार पर वहां विश्वविद्यालयों में दाखिला देने का मुद्दा फिर चर्चा में है। नस्ल के आधार पर प्रवेश देने का मामला हार्वर्ड और यूनिवर्सिटी ऑफ नोर्थ कैरोलिना जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से जुड़ा हुआ है। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक ऐतिहासिक फैसले में विश्वविद्यालय में नस्ल के आधार पर दाखिले देने की प्रथा पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बैंच ने यह फैसला सुनाया है। अमेरिका में अफ्रीकी अमेरिकियों (अश्वेत) और अल्पसंख्यकों को कॉलेजों में दाखिला देने का नियम है। इसे सकारात्मक पक्ष कहा जाता है। इस आरक्षण केघ खिलाफ दो याचिकाएं लगाई गई थीं जिनमें दलील दी गई थी कि यह पालिसी श्वेत और एशियन अमेरिकन लोगों के साथ भेदभाव है। चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने फैसला सुनाते हुए कहा है कि लम्बे समय से विश्वविद्यालयों ने यह गलत धारणा बना रखी है कि किसी व्यक्ति की योग्यता उसके सामने आने वाली चुनौतियां उसका कौशल अनुभव नहीं बल्कि उसकी त्वचा का रंग है। विश्वविद्यालयों की नीति इस सोच पर भी टिकी है कि एक ब्लैक स्टूडैंट में कुछ ऐसी योग्यता है जो व्हाइट स्टूडैंट में नहीं है। चीफ जस्टिस ने इस तरह की नीति को बेतुकी और संविधान के ध्खिलाफ करार दिया है और कहा है कि विश्वविद्यालयों के अपने नियम हो सकते हैं लेकिन इससे उन्हें नस्ल के आधार पर भेदभाव का लाइसैंस नहीं मिल जाता। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अमेरिका की राय बंटी हुई है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए अपनी असहमति व्यक्त की है। उनका कहना है ध्कि अमेरिका ने दशकों से दुनिया के सामने एक मिसाल पेश की है। यह फैसला उस मिसाल को खत्म कर देगा। अमेरिका में अब भी भेदभाव बरकरार है और इस सच्चाई को दरकिनार नहीं किया जा सकता। जबकि दूसरी ओर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और बराक ओबामा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जो लोग देश के विकास के लिए मेहनत कर रहे हैं उनके लिए यह फैसला बहुत अच्छा है। जबकि बराक ओबामा का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला यह सुनिश्चित करने के लिए जरूरी था कि नस्ल की परवाह किए बिना सभी छात्रों को सफल होने का अवसर मिले। अमेरिका में अफर्मेटिव एक्शन 1960 में लागू किया गया था। इसका मकसद देश में डायवर्सिटी को बढ़ावा देना और ब्लैक कम्युनिटी के लोगों के साथ भेदभाव को कम करना था। सुप्रीम कोर्ट अमेरिका की यूनिवर्सिटीज में इस पॉलिसी का 2 बार समर्थन कर चुका है। पिछली बार ऐसा 2016 में हुआ था। हालांकि, अमेरिका की 9 स्टेट्स पहले ही नस्ल के आधार पर कॉलेजों में एडमिशन पर रोक लगा चुकी हैं। इनमें एरिजोना, कैलिफोर्निया, फ्लोरिडा, जॉर्जिया, ओकलाहोमा, न्यू हैम्पशायर, मिशिगन, नेब्रास्का और वॉशिंगटन शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद याचिका दायर करने वाला ग्रुप स्टूडैंट फॉर फेयर एडमिशन के कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं। जबकि कई अश्वेत संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। प्रथम दृष्टि में यह फैसला सही लगता है। क्योंकि आम धारणा यही है कि दाखिलों में नस्ल जाति को प्राथमिकता देने की बजाय मैरिट को आधार बनाया जाए लेकिन अमेरिका में रंगभेद और नस्लभेद का इतिहास बहुत पुराना है। आधिकारिक रूप से कानून की नजर से हर अमेरिकी नागरिक समान है लेकिन हकीकत में अमेरिका की पुलिस सड़कों पर लोगों को उनके रंग और लुक के कारण रोकती है। भले ही वे संदिग्ध न भी हो तो भी उन्हें रोका जाता है। गिरफ्तारी के दौरान अगर पुलिस ने कोई बर्बर गलती की जैसा कि जार्ज क्लायड के मामले में हुआ था। यानि एक श्वेत पुलिस अधिकारी ने उसकी हत्या कर दी थी, के बाद जगह-जगह प्रदर्शन हुए थे। इसमें कोई संदेह नहीं कि अमेरिकी प्रशासन ने हमेशा ही ऐसे मामलों को दबाया है। काले लोग न केवल पुलिस से बल्कि ऑफिसों में भी गोरों की घिनौनी हरकतों को बर्दाश्त करते हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी नस्लवाद को खत्म करने की कई घ्कोशिशें कीं लेकिन वे भी नस्लभेद के सामने लाचार दिखाई दिए। उनके कार्यकाल में 18 साल के निहत्थे काले युवक माइकल ब्राउन को 8 गोलियां मार कर मार दिया गया था। अमेरिका वास्तव में प्रवासियों का देश है लेकिन गोरे वहां कालों से नफरत करते हैं, यह एक घातक प्रवृत्ति है।

पलायनवादी ना बने, आलस्य त्याग कर कठिन और दुष्कर कार्य पहले संपादित करें

अकर्मण्यता एक बड़ी शारीरिक,मानसिक व्याधि और दशा है, यह जीवन को निर्रथक बनाती है। इस अवस्था को तत्काल त्यागना चाहिए,और अपने जीवन के संघर्ष के लिए तैयार रखना चाहिए। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके, कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता हैस निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैस जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता हैस बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंस सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैंस मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए, यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है, जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैस यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है। मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंस सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहि,सइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है, और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती हैस भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैसऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

समान नागरिक संहिता हकीकत बनती है तो यह हमारे संविधान निमार्ताओं का बड़ा सम्मान होगा

समान नागरिक संहिता के विरोध में तमाम तरह के तर्क दे रहे, समान नागरिक संहिता आने पर तूफान आने की चेतावनी दे रहे और समान नागरिक संहिता आने पर धार्मिक आधार पर विभाजन बढ़ने की बात कह रहे लोगों को देखना चाहिए कि यह देश के लिए नई चीज नहीं है। समान नागरिक संहिता को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बयान के बाद उम्मीद की जा रही है कि देश की बरसों पुरानी मांग जल्द ही पूरी होगी। देखा जाये तो समान नागरिक संहिता यदि हकीकत बनती है तो इससे देश की आकांक्षाएं ही पूरी नहीं होंगी बल्कि हमारे संविधान निमार्ताओं की अपेक्षाएं भी पूरी होंगी। हमारे संविधान निमार्ताओं ने समान नागरिक संहिता का पक्ष लेते हुए इसे मूर्त रूप देने का जो दायित्व आने वाली सरकारों पर छोड़ा था, उस संकल्प को यदि मोदी सरकार सिद्ध करती है तो निश्चित ही यह हमारी संविधान सभा के सदस्यों का सम्मान भी होगा। देखा जाये तो संविधान सभा ने जो संवैधानिक प्रावधान किये थे, उन सभी का पालन देश आरम्भकाल से करता आ रहा है। लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे भी थे जिस पर संविधान सभा में सहमति तो थी लेकिन उस पर फैसला करने का दायित्व भविष्य की सरकारों के लिए छोड़ दिया गया था। यह गौर करने योग्य बात है कि उस दायित्व को पूरा करने का साहस पहली बार कोई सरकार दिखा रही है। संपूर्ण प्रक्रिया का पालन हो रहा है समान नागरिक संहिता पर विधि आयोग के समक्ष रोजाना ढेरों सुझाव आ रहे हैं। 14 जुलाई सुझाव और विचार भेजने की अंतिम तिथि है, तब तक यह संख्या लाखों में पहुँच सकती है। इसके अलावा, समान नागरिक संहिता को लेकर देश में गली-मोहल्लों से लेकर टीवी चैनलों की डिबेटों और राजनीतिक जनसभाओं के मंचों तक जो चर्चा और बहस का दौर चल रहा है वह दर्शा रहा है कि पूरा देश इस समय इस गंभीर मुद्दे पर मंथन कर रहा है। देखा जाये तो लोकतंत्र में किसी कानून के निर्माण में जितनी ज्यादा भागीदारी होगी वह कानून उतना ही सशक्त होगा। अभी जनता संभावित कानून को लेकर बहस कर रही है। जब मसौदा प्रस्ताव सामने आयेगा तब वह उसके लाभ हानि से जुड़े मुद्दों पर बहस करेगी और जनभावना को ध्यान में रखते हुए संसद में सांसद भी प्रस्तावित विधेयक पर बहस करेंगे। इसलिए जो लोग यह भ्रम फैलाने का अभियान चला रहे हैं कि समान नागरिक संहिता को थोपा जा रहा है उन्हें देखना चाहिए कि जब किसी कानून को बनाने से पहले संपूर्ण प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है तब वह थोपा हुआ कैसे हो सकता है? यूसीसी के विरोधी जरा ध्यान दें इसके अलावा, समान नागरिक संहिता के विरोध में तमाम तरह के तर्क दे रहे, समान नागरिक संहिता आने पर तूफान आने की चेतावनी दे रहे और समान नागरिक संहिता आने पर धार्मिक आधार पर विभाजन बढ़ने की बात कह रहे लोगों को देखना चाहिए कि यह देश के लिए नई चीज नहीं है। गोवा में आजादी के बाद से ही समान नागरिक संहिता लागू है। क्या किसी ने सुना है कि वहां पर धार्मिक आधार पर भेदभाव होता है? क्या किसी ने सुना है कि गोवा में समान नागरिक संहिता की वजह से अल्पसंख्यकों को किसी भी प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ा? क्या किसी ने सुना है कि समान नागरिक संहिता की वजह से किसी को अनावश्यक लाभ या किसी को नुकसान हुआ? जाहिर है इन सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं में ही होगा। इसलिए जब हमारे समक्ष गोवा जैसा जांचा परखा और खरा उदाहरण है तो समान नागरिक संहिता का विरोध करना सिर्फ 'राजनीति' से प्रेरित कदम ही लगता है। यूसीसी का विरोध आखिर क्यों? इसके साथ ही हमें यह भी देखना चाहिए कि दुनिया के कई देशों में पहले से ही समान नागरिक कानून हैं। साथ ही यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उच्चतम न्यायालय की ओर से भी इस संबंध में कानून लाने के लिए सरकार को कहा जा चुका है। इसलिए समय आ गया है कि इस मुद्दे को टालने की बजाय इसका हल निकालना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों को उन राजनीतिक विवादों को नहीं झेलना पड़े जिसका आज की पीढ़ी ने सामना किया या कर रही है। दुनिया जब तेजी से आगे बढ़ रही है, ऐसे में हम पीछे नहीं छूट जायें, इसके लिए जरूरी है कि देश के विकास और एकता को बाधित करने वाले दशकों पुराने मुद्दों का हल जल्द से जल्द निकाला जाये ताकि सरकार पुरानी दुश्वारियों को दूर करने में ऊर्जा लगाने की बजाय देश के भविष्य को सुनहरा बनाने में ही पूरी तरह प्रयत्नशील रहे। मोदी सरकार की तैयारी इसके अलावा, हाल ही में कानून मंत्री के रूप में अर्जुन मेघवाल की नियुक्ति यह भी संदेश देती है कि 'अर्जुन के अचूक निशाने' की प्रतिभा का उपयोग करने का समय आ चुका है। देखना होगा कि सरकार संसद के मॉनसून सत्र में ही समान नागरिक संहिता संबंधी विधेयक लाती है या फिर इसे संसद के शीतकालीन सत्र तक टाला जाता है। संसद के शीतकालीन सत्र के समय छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधानसभा चुनाव चल रहे होंगे, इसलिए यह उस समय भी राजनीतिक दृष्टि से भाजपा के लिए लाभदायक हो सकता है। लेकिन भाजपा ने और खुद प्रधानमंत्री ने जिस तरह समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर अपनी सक्रियता बढ़ाई है उसको देखते हुए इस कानून के जल्द ही हकीकत बनने के आसार हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री की ओर से समान नागरिक संहिता की बात कहे जाने के बाद जिस तरह बिना मांगे ही आम आदमी पार्टी और शिवसेना यूबीटी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार का समर्थन कर दिया है उससे विपक्षी एकता को भी धक्का पहुँचा है। पटना में विपक्षी दलों की बैठक में तय किया गया था कि मोदी सरकार के खिलाफ लड़ाई एकजुट होकर लड़ी जायेगी लेकिन सिर्फ समान नागरिक संहिता आने की सुगबुगाहट पर ही जिस तरह कुछ विपक्षी दलों ने सरकार का समर्थन कर दिया वह दर्शाता है कि यह मुद्दा मोदी सरकार का सबसे बड़ा मास्टर स्ट्रोक साबित होने वाला है।

अब एक बार में 50 तरह के ब्ंदबमत की होगी पहचान, नए टेस्ट से जगी उम्मीद

कैंसर जैसी घातक बीमारी जितनी तेजी से फैल रही है उतनी ही तेजी से इसे लेकर जांच भी बढ़ रही है। डॉक्टर विभिन्न प्रकार के तरीकों का उपयोग करके कई सामान्य प्रकार के कैंसर के लिए नियमित जांच की सलाह देते हैं। इसी बीच एक नए ब्लड टेस्ट की जानकारी मिली है, जिसकी मदद से 50 प्रकार के कैंसर का पता लगाया जा सकेगा।

हेल्थकेयर कंपनी ने किया विकसित

ब्रिटेन की स्वास्थ्य एजेंसी नेशनल हेल्थ सर्विस ने इस टेस्ट का परीक्षण शुरू कर दिया है, इसका नाम गैलेरी ब्लड टेस्ट रखा गया है। बताया जा रहा है कि इस टेस्ट को हेल्थकेयर कंपनी ग्रेल ने विकसित किया है। टेस्ट का परीक्षण1,40,000 स्वस्थ लोगों पर किया जा रहा है, माना जा रहा है कि ये पहला ऐसा परीक्षण है जिसे नेशनल हेल्थ सर्विस कैंसर रिसर्च यूके और किंग्स कॉलेज लंदन के साथ मिलकर कर रहे हैं।

छह हजार लोगों का किया गया परीक्षण

दावा किया जा रहा है कि खून की जांच से ही कैंसर का शुरूआती दौर में ही पता चला जाएगा। वैज्ञानिकों ने यह दावा छह हजार से अधिक लोगों के खून परीक्षण के बाद किया है। गैलरी टेस्ट से एक नहीं बल्कि पचास से अधिक प्रकार के कैंसर का पता लगाया जा सकेगा।

गैलरी टेस्ट एक एमसीईडी टेस्ट है, जिसका इसका मेन काम है उन बायोलॉजिकल सिग्नल्स या संकेतों को ढूंढना जो हिंट दें कि शरीर में कैंसर मौजूद है। ये ब्लड-स्ट्रीम में मौजूद कैंसर सेल्स द्वारा छोड़े हुए डीएनए को डिटेक्ट कर बीमारी का पता लगाता है। खून के परीक्षण से ये अनुमान भी लगाया जा सकता है कि शरीर में संभावित खतरा कहां पर है। टेस्ट के रिजल्ट्स 50 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के परीक्षण पर आधारित हैं।

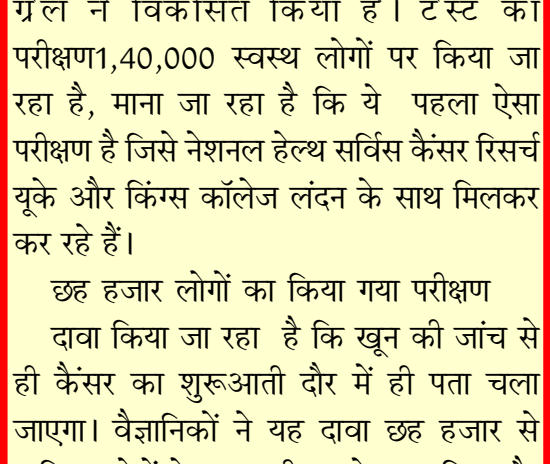

गर्मियों में बीमारियों को कौसो दूर रखेगा गुलाब का शरबत, रहना है फिट तो करें डाइट में शामिल

गर्मियों में शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए तरल पदार्थों का सेवन बहुत ही जरुर होता है। खासकर इस दौरान जब वातावरण का तापमान ज्यादा होता तो बाहर का तापमान शरीर को प्रभावित कर सकता है इसके कारण डिहाइड्रेशन जैसी समस्या होने लगती है। डिहाईड्रेशन से बचने के लिए सभी केमिकल शर्बत, कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। वहीं कुछ लोग घर से बने ड्रिंक्स जैसे छाछ, लस्सी और फ्रूट शेक बनाकर पीते हैं। यदि आपको घर में बने ड्रिंक्स पसंद है तो आप गुलाब का शरबत पी सकते हैं। यह आपके लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। गर्मियों में गुलाब से बना शरबत आपके शरीर को ठंडक देने में मदद करेगा। तो चलिए आपको बताते हैं गुलाब का शरबत पीने के फायदे....

गुलाब में मौजूद पोषक तत्व

गुलाब का शरबत गुलाब की पंखुड़ियों से बना होता है। एक्सपर्ट्स की मानें तो गुलाब की सूखी पंखुड़ियों में 0.5 ग्राम प्रोटीन, 70..4 ग्राम काबोहाइड्रेट, 0.2 मिली ग्राम विटामिन-सी, 3.7 मिली ग्राम आयरन और 120 मिली ग्राम कैल्शियम मौजूद होता है ऐसे में गुलाब स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

इस शरबत को पीने के फायदे

पाचन रहेगा स्वस्थ

गुलाब के शरबत में फाइबर मौजूद होता है जो पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें मौजूद एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाचन से जुड़ी समस्याएं भी कम करते हैं।

शरीर को मिलेगी ठंडक

गर्मियों में शरीर को ठंडक देने के लिए गुलाब का शरबत काफी लाभकारी हो सकता है। गुलाब के फूलों की तासीर ठंडी होती है ऐसे में यह आपके शरीर को ठंडक देने में मदद करता है।

स्ट्रेस होगा दूर

गुलाब के शरबत में पाए जाने वाले गुण आपका मूड भी अच्छा करने में मदद करेंगे। इसमें मौजूद गुण स्ट्रेट दूर करने में मदद करते हैं। इससे आपका दिमाग भी रिलैक्स होता है।

वजन होगा कम

गुलाब का शरबत फैट फ्री मिल्क और गुड़ से बनाया जाता है ऐसे में इसका सेवन करने से शरीर में एक्स्ट्रा कैलोरी नहीं बढ़ेगी। यदि आप इसका सेवन सही मात्रा में करते हैं तो आपका वजन कंट्रोल में रहेगा। इसके अलावा इसे आप अपनी ब्रेकफास्ट ड्रिंक के तौर पर भी शामिल कर सकते हैं।

गर्मी में इनडोर कुकिंग करते समय ये टिप्स आएंगे आपके बेहद काम

गर्मी में इनडोर कुकिंग करते हुए आपको बहुत अधिक परेशानी का सामना ना करना पड़े, इसके लिए आप वेंटिलेशन पर पूरा ध्यान दें। खाना पकाते समय आप एक्जॉस्ट फैन का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर खिड़कियां और दरवाजे खोलें। गर्मी के दिनों में जब तापमान बहुत अधिक बढ़ जाता है तो ऐसे में इनडोर कुकिंग करना काफी मुश्किल हो जाता है। इस मौसम में किचन में खाना पकाते समय बहुत अधिक गर्मी लगती है और हम पसीने से तर-बतर हो जाते हैं। ऐसे में खाना बनाने का मन ही नहीं करता है। अधिकतर लोग इस स्थिति में घर पर खाना बनाना ही नहीं चाहते हैं और ऐसे में बाहर से खाना मंगवाते हैं। हालांकि, गर्मी के महीनों में कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाकर आप घर के अंदर बिना किसी परेशानी के खाना बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

लाइट कुकिंग का चुनें विकल्प

जब आप गर्मी के दिनों में खाना बना रहे हैं तो यकीनन आप घंटों किचन में खड़ा नहीं होना चाहेंगे। तो ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप लाइट मील का विकल्प चुनें। जब आप ऐसा करते हैं तो इससे आपको कुकिंग में कम समय लगता है और फिर आपको कम परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ग्रिल का करें इस्तेमाल

यह भी एक आसान टिप है, जो गर्मी के दिनों में आपके कुकिंग के टास्क को अधिक आसान बनाता है। कोशिश करें कि आप स्टोवटॉप या ओवन के बजाय इनडोर ग्रिल या इलेक्ट्रिक ग्रिल का इस्तेमाल करें। ग्रिलिंग के जरिए न केवल आपके फूड को एक स्मोकी टेस्ट मिलता है, बल्कि इससे आपको रसोई से गर्मी को दूर रखने में भी मदद करती है।

टाइमिंग पर दें ध्यान

किचन में आप किस समय खाना बनाते हैं, यह भी बेहद अहम है। आपको किचन में बहुत अधिक गर्मी व पसीने का सामना ना करना पड़े, इसके लिए सुबह जल्दी या देर शाम के दौरान खाना पकाने का प्रयास करें। अगर आपको फ्रेश खाना पसंद है तो ऐसे में आप मसाला भूनने से लेकर अन्य तैयारी सुबह जल्दी कर लें और उसे फ्रिज में रख लें। बाद में आप तुरंत कुकिंग करें। इससे आपको कुकिंग में काफी कम समय लगेगा और आपको गर्मी में बहुत देर तक खड़ा नहीं होना पड़ेगा।

वेंटिलेशन पर दें ध्यान

गर्मी में इनडोर कुकिंग करते हुए आपको बहुत अधिक परेशानी का सामना ना करना पड़े, इसके लिए आप वेंटिलेशन पर पूरा ध्यान दें। खाना पकाते समय आप एक्जॉस्ट फैन का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर खिड़कियां और दरवाजे खोलें। यह खाने की स्मेल और गर्म हवा को बाहर निकलने देता है, जिससे आपकी रसोई ठंडी रहती है।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान

वेस्टइंडीज के बिना खेला जाएगा वनडे विश्व कप

● क्वालीफाइंग मुकाबले के सुपर सिक्स चरण में स्कॉटलैंड से सात विकेट से हारा

भाषा। हरारे

वेस्टइंडीज वनडे विश्व कप के इतिहास में पहली बार टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होगा, वह क्वालीफाइंग मुकाबले के सुपर सिक्स चरण में शनिवार को स्कॉटलैंड से सात विकेट की हार के साथ ही बाहर हो गई। दो बार की चैम्पियन वेस्टइंडीज इस नतीज से अपने निचले स्तर पर पहुंच गई है।टूर्नामेंट के 48 वर्षों के इतिहास में यह पहली बार है कि 1975 और 1979 की चैम्पियन वेस्टइंडीज सीमित ओवरों के क्रिकेट में शीर्ष 10 टीमों में शामिल नहीं होगी। स्कॉटलैंड के खिलाफ शनिवार को वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी नहीं चली। पूरी टीम 43.5 ओवर में 181 रन पर आउट हो गई। स्कॉटलैंड ने 6.3 ओवर बाकी रहते तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। ऐसा पहली बार होगा जब 1975 से शुरु हुए वनडे विश्व कप में वेस्टइंडीज टीम नहीं खेलेगी। वनडे विश्व कप पांच अक्टूबर से भारत में 10 स्थलों में खेला जाएगा। यह वेस्टइंडीज के खिलाफ चार मैचों में स्कॉटलैंड की पहली जीत है। क्लाइव लॉयड की वेस्टइंडीज टीम ने विश्व कप के पहले दो चरण में ट्राफी जीती थी और 1983 का फाइनल खेला था जिसमें भारत ने उसे शिकस्त दी थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए मैट क्रास (107 गेंद में नाबाद 74) और ब्रेंडन मैकमुलेन (106 गेंद में 69 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी कर टीम की जीत की नींव रखी। अब दो और मैच ही बचे हैं और अगर वेस्टइंडीज जीत भी जाती है तब भी वह चार अंक तक ही पहुंच पाएगी जबकि श्रीलंका और जिम्बाब्वे के तीन मैचों में छह छह अंक हैं। स्कॉटलैंड के इस जीत से चार अंक हैं और वह उम्मीद करेगी कि कोई उलटफेर उन्हें टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करवा दे। पिछले दो दशक से वेस्टइंडीज के क्रिकेट में गिरावट आ रही थी। उन्होंने 2012 और 2016 में दो टी20 विश्व कप जीते थे लेकिन टेस्ट और वनडे में उनका प्रदर्शन गिरता ही जा रहा था। विडंबना यह है कि वेस्टइंडीज को 2019 विश्व कप से पहले भी क्वालीफायर खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा था, लेकिन अंत में वह खुद को शर्मिंदगी से बचाने में सफल रहा और उसने अफगानिस्तान के साथ शीर्ष दो में रहकर क्वालीफाई किया।

होप ने खिलाड़ियों के रवैए पर सवाल उठाए

हरारे। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने शनिवार को भारत में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ से बाहर होने के बाद अपने खिलाड़ियों के रवैए और उनकी तैयारी पर सवाल उठाए। दो बार की विजेता वेस्टइंडीज 48 साल मे पहली बार 50 ओवर के विश्व कप का हिस्सा नही होगी जिसकी शुरुआत 1975 से हुई थी। होप ने वेस्टइंडीज के बाहर होने के बाद प्रसारक से कहा, ईमानदारी से कहूं तो मै सिर्फ एक चीज पर ही उंगली नही उठा सकता। हमने निश्चित रूप से टूर्नामेंट मे खुद को निराश किया। यह वास्तव मे रवैए की बात है। हमने हर बार अपना शत प्रतिशत नही दिया, हमने ऐसा सिर्फ टुकड़ो मे किया। मुझे लगता है कि क्षेत्ररक्षण रवैए की बात है, कैच छूट जाते है, खराब क्षेत्ररक्षण होता है लेकिन यह खेल का हिस्सा होता है।

राज्य इकाईयों के ट्रेनर एनसीए के लेवल एक परीक्षण के लिए उपस्थित हुए

नई दिल्ली। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) से मान्यता प्राप्त इकाईयों के करीब 114 स्ट्रेंथ एवं कंडिशनिंग कोच खुद को अपग्रेड करने के लिए हाल में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित किए गए लेवल एक परीक्षण के लिए उपस्थित हुए। एनसीए ने आस्ट्रेलियन स्ट्रेंथ एंड कंडिशनिंग एसोसिएशन (एएससीए) के साथ मिलकर यह परीक्षण आयोजित किया। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने हाल में जिक्र किया था कि नीतिन पटेल की अध्यक्षता वाली एनसीए की खेल विज्ञान टीम एक यूनीफॉर्म ट्रेनिंग माड्यूल बनाने की कोशिश में जुटी है जिसका राज्य अनुकरण करें क्योंकि इससे राष्ट्रीय टीम को मदद मिलेगी। भविष्य में बीसीसीआई चाहेगा कि सभी राज्य एनसीए द्वारा प्रमाणित कोच को नियुक्त करे। इस कार्यक्रम का नाम बीसीसीआई एएससीए क्रिकेट स्पेसिफिक स्ट्रेंथ एंड कंडिशनिंग कोर्स है।

मनिका, शरत डब्ल्यूटीटी जगरेब कंटेंडर से बाहर हुए

जगरेबे। भारत के शीर्ष महिला और पुरुष टेबल टेनिस खिलाड़ी क्रमशः मनिका बत्रा और अचित शरत कमल डब्ल्यूटीटी कंटेंडर के अपने-अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मैच हार गए जिससे एकल वर्ग मे देश की चुनौती शनिवार को यहां समाप्त हो गई।मनिका और शरत को अपने से बेहतर रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 0-3 के समान अंतर से हार का सामना करना पड़ा। मनिका को विश्व रैंकिंग मे 11वें स्थान पर काबिज शिन यूबिन ने 13-11, 11-5, 16-14 से हराया जबकि विश्व रैंकिंग मे 16वे स्थान के खिलाड़ी चीन के लिन शिडोंग ने शरत को एकतरफा मुकाबले मे 11-6, 11-7, 11-5 से शिकस्त दी।

पाकिस्तान विश्व कप स्थलों के निरीक्षण के लिए सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल भारत भेजेगा

कराची। पाकिस्तान इस साल के आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) एकदिवसीय विश्व कप के लिए अपनी टीम को यात्रा मंजूरी देने से पहले आयोजन स्थलों का निरीक्षण करने के लिए एक सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल भारत भेजने की तैयारी कर रहा है। अंतर-प्रांतीय समन्वय (खेल) मंत्रालय के एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि ईद की छुट्टियों के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के नए अध्यक्ष के चुने जाने के बाद विदेश और गृह मंत्रालय सहित सरकार तय करेगी कि सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल को भारत कब भेजा जाए। इस सूत्र ने कहा, सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल पीसीबी के प्रतिनिधित्व के साथ उन स्थानों का निरीक्षण करने जाएगा जहां विश्व कप के दौरान पाकिस्तान खेलेगा। यह प्रतिनिधिमंडल सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओ का भी निरीक्षण करेगा। उन्होने कहा कि प्रतिनिधिमंडल 15 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच के आयोजन स्थल चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता और अहमदाबाद का दौरा करेगा। उन्होंने कहा, भारत के किसी भी दौरे से पहले क्रिकेट बोर्ड के लिए सरकार से अनुमति लेने का चलन है। सरकार दौरे से पहले आम तौर पर भारत मे एक प्रतिनिधिमंडल भेजती है। प्रतिनिधिमंडल मैच स्थल के अधिकारियों से बातचीत करेगा और टूर्नामेंट के लिए जाने वाले हमारे खिलाड़ियों, अधिकारियों, प्रशंसकों और मीडिया के लिए सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओ पर चर्चा और निरीक्षण करेगा। उन्होंने कहा कि अगर प्रतिनिधिमंडल को लगेगा कि पाकिस्तान के लिए निर्धारित स्थान के बजाय किसी अन्य स्थान पर खेलना बेहतर होगा, तो वह अपनी रिपोर्ट में इसका उल्लेख करेगा। उन्होंने कहा, अगर प्रतिनिधिमंडल को कोई चिंता है तो पीसीबी रिपोर्ट को आईसीसी और बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ साझा करेगा। पीसीबी के एक सूत्र ने पुष्टि की कि जब पिछली बार पाकिस्तान टी20 विश्व कप के लिए भारत गया था, तो सरकार ने आयोजन स्थलों का निरीक्षण करने के लिए एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल भेजा था।

रेस के दौरान नीदरलैंड के फार्मूला कार चालक की मौत

स्पा फ्रैंकोरचैम्प्स। नीदरलैंड के 18 साल के फार्मूला कार चालक डिलानो वान टी हॉफ की शनिवार को बेल्जियम में फॉर्मूला क्षेत्रीय यूरोपीय चैंपियनशिप में दुर्घटना के बाद मृत्यु हो गई। एमपी मोटरस्पोर्ट का यह ड्राइवर स्पा-फ्रैंकोरचैम्प्स सर्किट में सुबह की रेस में प्रतिस्पर्धा कर रहा था। रेस के आयोजकों ने यहां जारी बयान में कहा, इस आयोजन से जुड़ा हर व्यक्ति इस खबर से आहत है कि डिलानो वान टी हॉफ ने फॉर्मूला रीजनल ईयू रेस के दौरान दुर्घटना में अपनी जान गंवा दी।

एफसी गोवा ने मिडफील्डर पाउलो रेट्रे से करार किया

पणजी। एफसी गोवा ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आगामी सत्र के लिए शनिवार को आस्ट्रेलियाई मिडफील्डर पाउलो रेट्रे से करार किया। एफसी गोवा ने पाउलो (30 वर्ष) के पूर्व क्लब सिडनी एफसी से जिस ट्रांसफर राशि पर सहमति जताई है, उसका खुलासा नहीं किया है। पाउलो अपने पूर्व क्लब के साथ 2019 और 2020 में दो बार ए-लीग जीत चुके है। इस विदेशी एफसी गोवा ने टीम में यह छठा खिलाड़ी शामिल किया है।

साइ ने ओलंपियन मुक्केबाज विकास कृष्ण की मदद की

पटियाला। खेल मंत्रालय की केंद्रीय एथलीट चोट प्रबंधन प्रणाली (सीएआईएमएस) के तहत भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने ओलंपियन मुक्केबाज विकास कृष्ण को लगी चोट के बाद त्वरित जांच और सर्जरी कराने में सहायता प्रदान की है। विकास साइ के एनएसएनआईएस पटियाला केंद्र में चल रहे मुक्केबाजी राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा है। 23 जून को एकस्पारिंग (अभ्यास) सत्र के दौरान उनका बायां हाथ चोटिल हो गया। उन्हे यह चोट कोहनी और कंधे के बीच लगी थी।

दीक्षा व प्राणवी को लेडीज ओपन गोल्फ में कट

सियुनटियो (फिनलैंड)। भारतीय महिला गोल्फर दीक्षा डागर यहां लेडीज यूरोपीय टूर के दूसरे दौर मे शानदार प्रदर्शन के दम पर कट में जगह बनाने में सफल रही। दीक्षा के साथ भारत की प्राणवी उर्स ने भी कट में जगह बनाई। शुरुआती दौर मे दो ओवर का निराशाजनक स्कोर करने वाली दीक्षा ने दूसरे दौर मे शानदार वापसी करते हुए चार अंडर 68 का कार्ड खेला। वह कुल दो अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 32वे स्थान पर है। शुरुआती दौर मे एक अंडर 71 का कार्ड खेलने वाली प्राणवी ने दूसरे दौर मे पार 72 का स्कोर किया।

गंडास और शुभंकर ब्रिटिश मास्टर्स में कट से चूके

बेलफ्राइ (ब्रिटेन)। भारतीय गोल्फर मनु गंडास और शुभंकर शर्मा ब्रिटिश मास्टर्स के कट मे जगह बनाने में नाकाम रहे। पहले दौर में 73 का स्कोर करने वाले गंडास ने दूसरे दिन भी यही स्कोर बनाया। उन्होने दूसरे दौर मे चार बोगी और तीन बर्डी लगाई और एक शॉट से कट से चूक गए। उनका कुल स्कोर दो ओवर का रहा जबकि कट एक ओवर का था जिसमें 79 खिलाड़ियों ने जगह बनाई। शर्मा ने अपने पहले दौर मे निराशाजनक 77 का कार्ड खेलने के बाद दूसरे दौर मे 72 के स्कोर के साथ कुछ बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन यह कट मे जगह बनाने के लिए नाकाफी रहा।

त्रिवेणी कांटिनेंटल किंग्स चेस लीग फाइनल में

दुबई। त्रिवेणी कांटिनेंटल किंग्स शनिवार को यहां पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद की अगुआई वाली गैजेस ग्रैंडमास्टर पर 11-6 की जीत से ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) के शुरुआती चरण के फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बनी। दिन के एक अन्य मैच मे चिंगारी गल्फ टाइटन्स ने एसजी एल्पाइन वारियर्सको 8-7 से शिकस्त दी। त्रिवेणी का जीत की दौड़ मे बने रहने के लिए एक जीत की दरकार थी जबकि गैजेस ग्रैंडमास्टर के लिए एक ड्रा भी काफी होता। पहले गेम मे लेवोन अरोनियन और आनंद ने ड्रा खेला। सारा खादेम ने त्रिवेणी के लिए बड़ी जीत दर्ज की जब उन्होंने बेला खोटेनाश्विली को हराया।

भारत सैफ फुटबाल के फाइनल में पहुंचा

● कुवैत से होगी भिड़ंत, बांग्लादेश व लेबनान हारे

भाषा। बेंगलुरु

भारतीय फुटबॉल टीम ने शनिवार को यहां लेबनान को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर सैफ चैम्पियनशिप फाइनल में प्रवेश किया। अब चार जुलाई को फाइनल में मेजबान टीम का सामना कुवैत से होगा जिसने दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 1-0 से पराजित किया। भारतीय टीम ने लगातार सैफ चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाई। मैच और लेबनान निर्धारित समय के बाद एक्स्ट्रा टाइम में भी गोल नहीं कर सकीं जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट से फैसला हुआ। शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम के लिए करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री, अनवर अली, नाओरेम महेश सिंह और उदांता सिंह कुमाम ने गोल किए। वहीं लेबनान के लिए वालिद शऊर और मोहम्मद सादेक ही गोल कर सके जबकि हसन मातोक और खलील बदेर चूक गए इससे पहले कुवैत ने अब्दुल्लाह अल ब्लोशी के गोल की बदौलत शनिवार को यहां बांग्लादेश को 1-0 से हराकर सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। कुवैत के लिए अब्दुल्लाह ने पहले हाफ के अतिरिक्त समय के अंत में विजई गोल दागा। अब उसका सामना चार जुलाई को होने वाले फाइनल में भारत या लेबनान से होगा। इस गोल से पहले दोनों टीमों ने अच्छे मौके गंवा दिए। दूसरे हाफ में बांग्लादेश ने वापसी करने की कोशिश की लेकिन कुवैत के गोलकीपर अब्दुल रहमान की सतर्कता से उसकी सारे प्रयास नाकाम रहे।

चोटिल लियोन ने बल्लेबाजी की

● एशेज : आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को दिया 371 रन का लक्ष्य

भाषा। लंदन

चोटिल नाथन लियोन ने क्रीज पर लड़खड़ाते हुए बल्लेबाजी की जिससे आस्ट्रेलिया ने 15 रन जोड़कर शनिवार को यहां दूसरे एशेज टेस्ट के चौथे दिन चाय तक दूसरी पारी 279 रन पर समाप्त कर इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रन का लक्ष्य दिया। लियोन चार रन पर आउट होने वाले अंतिम खिलाड़ी रहे, उनके योगदान से आस्ट्रेलियाई पारी 279 रन पर खत्म हुई। गुरुवार को लियोन की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और इस विशेषज्ञ स्पिनर के टेस्ट मैच के बाकी हिस्से में खेलने की उम्मीद नहीं थी। लेकिन जब वह पैड बांधकर आस्ट्रेलियाई पारी में बल्लेबाजी करने उतरे तो दर्शक हैरान हो गए और उनका तालियां बजाकर स्वागत किया। वह 27 मिनट तक क्रीज पर टिके रहे। पिछले सत्र में इंग्लैंड ने एजबेस्टन में भारत के खिलाफ 378 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया था। आस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र में 31.1 ओवर में केवल 57 रन जोड़े। इंग्लैंड ने सुबह के सत्र में शार्ट गेंदबाजी का फायदा उठाते हुए आस्ट्रेलिया के तीन विकेट झटक लिए। ड्रिंक्स के आधे घंटे के अंदर बीती रात से खेल रहे उस्मान ख्वाजा (77) के अलावा स्टीव स्मिथ और उनके बाद ट्रेविस हेड भी पवेलियन पहुंच गए। आस्ट्रेलिया ने बीती रात दो विकेट पर 130 रन के स्कोर से खेलना शुरु किया। ख्वाजा और स्मिथ अपनी टीम को 187 रन तक ले गए, जिसके बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शार्ट गेंदबाजी करने की रणनीति अपनाई। इंग्लैंड ने स्क्वायर के पीछे छह क्षेत्ररक्षकों को लगाकर इन दोनों बल्लेबाजों को आउट करने का जाल बिछाया। ए दोनों बल्लेबाज ड्रिंक्स के बाद पुल और हुक शॉट खेलने के लालच में आ गए और विकेट गंवा बैठे। स्टुअर्ट ब्राड का दिन का पहला ओवर था। ख्वाजा ने उनकी गेंद पर शॉट लगाने की कोशिश की और फाइन लेग पर खड़े स्थानापन्न खिलाड़ी मैथ्यू पॉट्स ने उनका कैच लपक लिया। इससे ख्वाजा को 188 गेंद में 77 रन की पारी खत्म हुई। हेड क्रीज पर उतरे और पहली ही गेंद पर शार्ट लेग पर गली में खड़े जेम्स एंडरसन ने उनका कैच छोड़ दिया। एंडरसन ने पारी में दूसरी बार कैच छोड़ा। लेकिन अगली गेंद पर स्मिथ (34 रन) ने जोश टंग की गेंद को उठा दिया जो सीधे डीप बैकवर्ड स्क्वायर पर जाक क्राउले के हाथों में चली गई। स्मिथ को अपनी गलती का अंदाजा हो गया था। हेड (07) फिर ब्राड की गेंद पर शार्ट लेग में कैच देकर पवेलियन लौट गए। जो रूट ने एक हाथ से शानदार कैच लपका। यह उनका 176वां कैच था जिससे उन्होंने एलिस्टर कुक को इंग्लैंड के टेस्ट इतिहास में सर्वाधिक कैच लपकने के मामले में पछाड़ दिया। आस्ट्रेलियाई टीम ने 197 रन पर पांच विकेट गंवा दिए।

उत्तर क्षेत्र सेमीफाइनल में

● दलीप ट्राफी ● पूर्वोत्तर क्षेत्र को 511 रन से रौंदा

बेंगलुरु। उत्तर क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में चार दिनों के अपने दबदबे को अंजाम तक पहुंचाते हुए शनिवार को यहां पूर्वोत्तर क्षेत्र को 511 रन से करारी शिकस्त दी। जीत के लिए 666 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूर्वोत्तर क्षेत्र की दूसरी पारी 154 रन पर सिमट गई। सेमीफाइनल में उत्तर क्षेत्र का मुकाबला पांच जुलाई से मयंक अग्रवाल के नेतृत्व वाले दक्षिण क्षेत्र से होगा जबकि एक अन्य सेमीफाइनल में मध्य क्षेत्र के सामने पश्चिम क्षेत्र की चुनौती होगी। पूर्वोत्तर क्षेत्र ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 58 रन से की। पलजोर तमांग (40) और नीलेश लामिछाने (27) ने चौथे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी कर उत्तर क्षेत्र के गेंदबाजों को शुरुआती एक घंटे तक सफलता से रोके रखा। निशांत सिंधू (25 रन पर दो विकेट) ने लामिछाने को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा जिसके बाद पुलकित नारंग (43 रन पर चार विकेट) ने तमांग को चलता किया। इस दो झटकों के बाद पूर्वोत्तर के बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा देर नहीं टिक सके और लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रहे। पूर्वोत्तर की टीम मैच में अपना दबदबा बनाने में नाकाम रही लेकिन बेहतर टीम के खिलाफ खेलने के अनुभव से उन्हें काफी फायदा होगा।

मध्य क्षेत्र ने पूर्वी क्षेत्र को सेमीफाइनल का टिकट कटाया

बेंगलुरु। वामहस्त स्पिनर सौरभ कुमार (64 रन पर आठ विकेट) की शानदार गेंदबाजी दम पर मध्य क्षेत्र शनिवार को यहां पूर्वी क्षेत्र पर 170 रन की आसान जीत के साथ दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंच गया। जीत के लिए 300 रन का लक्ष्य का पीछा करते हुए पूर्वी क्षेत्र ने मैच के चौथे और आखिरी दिन अपने अभियान को छह विकेट पर 69 रन से आगे शुरू किया लेकिन उसकी पूरी टीम 129 रन पर आउट हो गई। इस जीत के बाद मध्य क्षेत्र की टीम पांच जुलाई से अलूर में खेले जाने वाले सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र का सामना करेगी। दूसरे सेमीफाइनल में उत्तर क्षेत्र का सामना दक्षिण क्षेत्र से चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा।पूर्वी क्षेत्र को मैच में बनाए रखने का दारोमदार रियान पराग पर था लेकिन वह बीते दिन के छह रन के अपने स्कोर में आठ रन और जोड़कर खब्बू गेंदबाज सौरभ के खिलाफ पगबाधा हो गए। सौरभ ने इसके बाद आकाश दीप, शाहबाज नदीम और ईशान पोरेल के विकेट चटकाए। सौरभ ने पहली पारी में भी तीन विकेट चटकाए थे। मैच में 11 विकेट लेने के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

पंजाब के खेल मंत्री ने पूछा - विश्व कप स्थलों की सूची से मोहाली को बाहर करने का मानदंड क्या है?

चंडीगढ़। पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सचिव जय शाह को पत्र लिखकर उन मानदंडों पर सवाल उठाया, जिसके तहत आईसीसी विश्व कप के दौरान मैच की मेजबानी करने वाले शहरों की सूची से मोहाली को बाहर कर दिया गया। क्रिकेट विश्व कप 2023 की शुरुआत अहमदाबाद में पांच अक्टूबर होने वाली है। बीसीसीआई प्रमुख को लिखे अपने पत्र में हेयर ने कहा कि पंजाब के पास सबसे अच्छा खेल बुनियादी ढांचा है। उन्होंने यह भी बताया कि मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम को दो विश्व कप सेमीफाइनल मुकाबलों की मेजबानी करने का भी गौरव प्राप्त है। पंजाब के मंत्री ने मीडिया में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के बयान का भी जिक्र किया और कहा कि शुक्ला ने बताया था कि पीसीए मोहाली स्टेडियम मैच आयोजित करने के लिए आईसीसी के मानदंडो को पूरा नही करता है।

नीरज ने फेंका सोने का भाला

● लुसाने डायमंड लीग में लगातार दूसरी बार शीर्ष पर रहे

भाषा। लुसाने

ओलंपिक चैम्पियन भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा डायमंड लीग के लुसाने चरण में शुक्रवार को 87.66 मीटर की दूरी के साथ लगातार दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया। चोट के कारण लगभग एक महीने तक खेल से दूर रहे नीरज हालांकि अपने 90 मीटर के अपने व्यक्तिगत लक्ष्य को हासिल करने से एक बार फिर चूक गए। लुसाने में स्वर्ण पदक जीतने वाला उनका यह प्रयास करियर के शीर्ष 10 प्रदर्शन के बाहर था। पच्चीस साल के चोपड़ा ने पिछले महीने मांसपेशियों में खिंचाव के कारण तीन शीर्ष स्पर्धाओं में भाग नहीं लिया था। उन्होंने पांच मई को दोहा में अपने करियर के चौथे सर्वश्रेष्ठ 88.67 मीटर के थ्रो के साथ सत्र की शुरुआत डायमंड लीग जीती थी। चोपड़ा आमतौर पर शुरुआती दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं लेकिन शुक्रवार को शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए उन्हें पांचवें प्रयास का इंतजार करना पड़ा। चौथे दौर की समाप्ति तक वह दूसरे स्थान पर थे।नीरज ने खिताब जीतने के बाद कहा, चोट से वापसी करने के कारण मैं थोड़ा घबराया हुआ महसूस कर रहा था। यहाँ थोड़ी ठंड भी थी। मैं अब भी अपने सर्वश्रेष्ठ से दूर हूं, लेकिन मुझे लगता है कि इसमें सुधार जारी है। उन्होंने कहा, मुझे राहत है कि यह मेरे लिए अच्छा साबित हो रहा है। जीत तो जीत होती है , और मैं इससे खुश हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस चैंपियन एथलीट को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।उन्होंने ट्विटर पर लिखा, लुसाने डायमंड लीग में शानदार प्रदर्शन करने के लिए नीरज चोपड़ा को बधाई। वह अपने असाधारण प्रदर्शन की बदौलत तालिका में शीर्ष पर रहे। उनकी प्रतिभा, समर्पण और उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयास सराहनीय है। चोपड़ा ने फाउल से शुरुआत की और फिर 83.52 मीटर और 85.04 मीटर थ्रो किया। चौथे दौर में भी उन्होंने फाउल किया। अगले दौर में हालांकि उन्होंने 87.66 मीटर का मुकाबला जीतने वाला थ्रो किया। उनका छठा और आखिरी थ्रो 84.15 मीटर का था। जर्मनी के जूलियन वेबर 87.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर थे, जबकि तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता और सत्र की तालिका में शीर्ष पर चल रहे चेक गणराज्य के जैकब वडलेज 86.13 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। लय हासिल करने के लिए जूझ रहे मौजूदा विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 82.23 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

19 अगस्त से शुरू होने वाले बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में भाग लेंगे नीरज

नई दिल्ली। डायमंड लीग के लुसाने चरण में शीर्ष पर रहने वाले भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने संकेत दिया कि वह अब सीधे विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप मे प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखेंगे जो 19 अगस्त से बुडापेस्ट मे शुरू होगा। चोपड़ा इस दौरान किसी और प्रतियोगिता मे हिस्सा नही लेंगे। चोट के कारण लगभग एक महीने तक खेल से दूर रहे चोपड़ा ने डायमंड लीग के लुसाने चरण मे शुक्रवार को 87.66 मीटर की दूरी के साथ लगातार दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होने मौजूदा सत्र मे पांच मई को दोहा मे हुए शुरुआती डायमंड लीग मे भी शीर्ष स्थान हासिल किया था। लुसाने मे जीत दर्ज करने के बाद चोपड़ा ने कहा, मेरे लिए बुडापेस्ट मे होने वाली अगली प्रतियोगिता काफी बड़ी होगी। उन्होने कहा, मै यहां जीतना चाहता था इसलिए मै नतीजे से बहुत खुश हूं लेकिन मै फिर से अभ्यास करना चाहता हूं। मैने कुछ खामियों को महसूस किया है और उसमे सुधार करना चाहता हूं। इससे मेरा खेल मजबूत होगा। उन्होने लुसाने को अपने के लिए अच्छी किस्मत वाला शहर करार दिया। लुसाने मेरे लिए हमेशा अच्छा रहा है। पिछले साल भी मैंने यहां जीत दर्ज की थी और इस साल भी ऐसा ही हुआ। इसलिए मै अगले साल फिर से आने और फिर से जीतने की उम्मीद कर रहा हूं। चोपड़ा के कोच डॉ. क्लॉस बार्टोनिट्ज ने पीटीआई-भाषा से पुष्टि की कि उनका शिष्य अब सीधे बुडापेस्ट मे विश्व चैपियनशिप (19-27 अगस्त) मे नजर आएगा। बार्टोनिट्ज ने कहा, हां, चोपड़ा का कहने का मतलब विश्व चैपियनशिप ही है। बुडापेस्ट विश्व चैपियनशिप का पुरुषों का भाला फेंक क्वालिफिकेशन राउंड 25 अगस्त को निर्धारित है। इसमे अभी 50 से अधिक दिन का समय है। चोपड़ा अगर उससे पहले किसी स्पर्धा मे हिस्सा नही लेते है तो वह डायमंड लीग के दोहा और लुसाने चरणो जैसे सिर्फ दो बड़ी स्पर्धाओं में भाग लेने के बाद विश्व चैपियनशिप मे जाएंगे।

विश्व और एशियाई खेलों के लिए मनु, दिव्यांश और ऐश्वर्य टीम में

भाषा। नई दिल्ली

ओलंपियन मनु भाकर, दिव्यांश सिंह पंवार और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर आगामी आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिए चुनी गई भारतीय निशानेबाजी टीम में शामिल रहे। हालांकि 2018 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व युवा ओलंपिक चैम्पियन सौरभ चौधरी शनिवार को दो बड़े टूर्नामेंट के लिए घोषित टीम में जगह नहीं बना सके।देश में खेल की संचालन संस्था भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने अगस्त में अजरबेजान के बाकू में होने वाली आगामी विश्व चैम्पियनशिप और सितंबर में चीन के हांगजोऊमें होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा की। शॉटगन टीम की घोषणा पहले ही हो चुकी है। बाकू के लिए 22 सदस्ईय राइफल और पिस्टल रवाना होगी जिसमें 32 पेरिस ओलंपिक कोटे दाव पर लगे होंगे जबकि 21 सदस्ईय टीम हांगजोऊ जाएगी। मौजूदा पुरुष 10 मीटर एयर राइफल विश्व चैम्पियन रूद्रांक्ष पाटिल को चयन मापदंड में पेरिस कोटा विजेता के आधार पर एशियाई खेलों की टीम में शामिल किया गया।

नार्थम्पटनशर के लिए खेल सक्ते हैं पृथ्वी साव

भाषा। नई दिल्ली

मुंबई के प्रतिभाशाली सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव इस महीने के अंत में दलीप ट्राफी की प्रतिबद्धता पूरी करने के बाद इंग्लिश काउंटी टीम नार्थम्पटनशर के लिए खेल सकते हैं। इस समय यह 23 साल का खिलाड़ी भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ से बाहर है और उनके करीबी लोगों नें उन्हें अपनी तकनीक में सुधार के लिए ब्रिटेन में खेलने की सलाह दी है ताकि वह लगातार मैच खेलकर फॉर्म में वापसी कर सकें। इस क्रिकेटर के करीबी सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, हां, पृथ्वी पश्चिम क्षेत्र के लिए दलीप ट्राफी की प्रतिबद्धता पूरी करने के बाद रवाना हो जाएगा।

दीपक, निशांत, परवीन ने एशियाई खेलों के लिए स्थान पक्का किया

● पंघाल, नीतू चूके

भाषा। नई दिल्ली

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज दीपक भोरिया (51 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) चीन के हांगझोऊमें होने वाले एशियाई खेलों की भारतीय मुक्केबाजी टीम में शनिवार को जगह बनाने में सफल रहे। विश्व चैम्पियनशिप 2022 की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (57 किग्रा), राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लम्बोरिया (60 किग्रा), अरुंधति चौधरी और प्रीति पवार इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए महिला टीम में स्टार मुक्केबाज निकहत जरीन (51 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) के साथ शामिल हुईं। एशियाई खेलों का आयोजन 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक होगा। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने मार्च में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के कारण स्वत: ही एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई किया था। एशियाई खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता का महत्व इसलिए भी अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मुक्केबाजों के लिए 2024 पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने का पहला क्वालीफायर भी है। मौजूदा एशियाई खेलों के लाइट फ्लाईवेट चैंपियन और 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल हालांकि अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह एक बार फिर दीपक से पिछड़ गए।

भारतीय मुक्केबाजों ने एलोर्डा कप में पांच पदक से अभियान समाप्त किया

अस्ताना (कजाखस्तान)। भारत ने शनिवार को यहां एलोर्डा कप मुक्केबाजी टूर्नामेंट में अपना अभियान पांच पदक से समाप्त किया। विजय कुमार, सुषमा, केशाम संजीत सिंह, नीमा और सुमित ने अपने वजन वर्गो में कांस्य पदक जीते। विजय कुमार (60 किग्रा) ने सेमीफाइनल मे चुनौती पेश की लेकिन कजाखस्तान के बेकनूर ओझानोव से 1-4 से हार गए जिससे उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। वही 81 किग्रा वजन वर्ग में सुषमा ने कजाखस्तान की फरीजा शोलटे के खिलाफ अच्छी कोशिश की लेकिन वह 2023 विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता से 0-5 से हार गई जिससे उन्होने अपना अभियान कांस्य पदक से खत्म किया।

खेलों में आने के लिए युवाओं को प्रेरित करने की जरूरत : टिर्की

गुवाहाटी। पूर्व ओलंपियन दिलीप टिर्की ने शनिवार को खेलों में आने के लिए युवाओं को प्रेरित करने की जरूरत की बात कही। उन्होंने यह असम में खेल पत्रकारिता के साल भर चलने वाले शताब्दी जश्न के समापन समारोह में कहा कि बच्चों को खेलों में अपने रूचि के खेल पता करने में मदद करना महत्वपूर्ण है और उन्हें प्रोत्साहित करना भी ताकि वे भविष्य में सफल हो सकें। पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान ने कहा, हमें खेलों के भविष्य के लिए जमीनी स्तर पर ध्यान देने की जरूरत है। मुझे लगता है कि जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने में आमतौर पर अनदेखी होती है। इसलिए खिलाड़ियों को खेलों में आने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। वहीं उन्होंने असम में खेलों की स्थिति के बारे में बात करते हुए कहा कि राज्य की महिला खिलाड़ी पिछले कुछ वर्षों से अच्छा कर रही हैं। लवलीना (बोरगोहेन) ने ओलंपिक में पदक जीता जो बहुत बड़ी चीज है। हिमा (दास) भी यहां की लोकप्रिय खिलाड़ी हैं।

आदित्य राय संग अफेयर की खबरों पर अनन्या पांडेय ने तोड़ी चुप्पी, कहा- क्यूरियस होना अच्छी बात है...

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन कही जाने वाली अनन्या पांडेय आए दिन अपनी हरकतों और अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में छाई रहती हैं। इसी के साथ अनन्या इन दिनों अपने पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों ही लाइफ को लेकर जमकर लाइमलाइट बटोर रही हैं। बता दे की इन दिनों बी-टाउन की गलियारों में अनन्या और आदित्य के अफेयर की खबरें खूब वायरल हो रही हैं। ऐसे में अब इन खबरों पर खुद अनन्या पांडेय अपनी चुप्पी तोड़ती हुई दिखी हैं। बता दे की इनके अफेयर की खबरों का सिलसिला कॉफी विद करणश के शो से शुरू हुआ था। जहां इस दौरान करण जौहर ने इस बात की तरफ इशारा किया था कि एक पार्टी में अनन्या और आदित्य एक कॉर्नर में खड़े बातें कर रहे थे। इसके बाद दोनों को मनीष मल्होत्रा की पार्टी में भी एक साथ स्पॉट किया गया था। कुछ समय पहले भी दोनों को करण जौहर के घर पर एक डिनर पार्टी में एक साथ देखा गया था। इसके साथ मनीष मल्होत्रा के रैंप वॉक में भी दोनों ही रूमर्ड कपल ने एक साथ वाक किया था। जिसके बाद से ही दोनों के अफेयर की खबरें काफी तेज हो गयी थी। ऐस में अब हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अनन्या ने अपने एक इंटरव्यू में अपने और आदित्य के अफेयर के चर्चों पर बात की। इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने कहा- क्यूरियस होना अच्छी बात है... इसीलिए लोगों को ये अंदाजे लगाते रहने चाहिए कि मैं किसे डेट कर रही हूं. बता दे की अनन्या को आखिरी बार विजय देवाकोंडा के साथ फिल्म लाइगर में देखा गया था। हालांकि दर्शकों को ये फिल्म कुछ खास नहीं पसंद आई थी और यही कारण है की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से पिट गयी थी। बता दें कि अनन्या बहुत जल्द ड्रीम गर्ल 2 में दिखाई देने वाली हैं.

फिल्म इसी साल अगस्त में रिलीज होने के लिए तैयार है जिसमें वे आयुष्मान खुरार्ना के साथ दिखाई देंगी। इसी के साथ अनन्या इसी साल सिद्धांत चतुवेर्दी के साथ फिल्म श्खो गए हम कहां में भी नजर आएंगी। दोस्ती और डिजिटल दौर में रिश्तों पर बनी ये फिल्म 31 अक्टूबर, 2023 को रिलीज होनी है।

बिग बॉस ओटीटी के घर में हो रहे अभद्रता पर भड़के सलमान खान, शो छोड़ने तक की दे दी धमकी

बिग बॉस ओटीटी का ये दूसरा सीजन जमकर बवाल मचाता हुआ दिख रहा हैं। जहां शो में आए दिन नए-नए कंट्रोवर्सी देखने और सुनने को मिल रहा हैं। वही बिग बॉस का ये पूरा ही हफ्ता काफी विवादों से भरा हुआ था। जहां इस हफ्ते शो में कई ऐसे कारनामे देखने को मिले है जिसे देखने के बाद दर्शक सहित शो के होस्ट सलमान खान तक भड़क उठे हैं। जिन्होंने शो छोड़ने तक की भी बात कह दी हैं। दरअसल शो के मेकर्स ने सलमान खान के वीकेंड के वार का प्रोमो वीडियो आउट किया हैं। जिसमें सलमान काफी भड़के हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही घरवालों की जमकर क्लास लगाते हुए भी दिख रहे हैं। बता दे की हाल ही में बिग बॉस के इतिहास में पहली बार हुआ है कि दो कंटेस्टेंट ने इतने कैमरों के सामने फ्रेंच किस किया हो। दरअसल एक टास्क के दौरान जैद और आकांक्षा ने सरेआम एक दूसरे को लिप किस किया हैं। जिसपर अब दर्शक शो के मेकर्स और सलमान खान पर जमकर सवाल उठाते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में सलमान खान बिग बॉस के प्रतियोगी जेड हदीद और आकांक्षा पुरी के बीच हुए किस को लेकर खुश नहीं है। बता दे की कि जेड और आकांक्षा ने 30 सेकंड का किस किया था। उन दोनों को एक डेयर दिया गया था। ऐसे में अब एक नया प्रोमो जारी किया गया है। इसे शनिवार को जारी किया गया है। इसमें सलमान खान दोनों को लताड़ते नजर आ रहे हैं। यह वीकेंड का वार का एपिसोड का प्रोमो है। इसमें वह कहते नजर आ रहे हैं, आप सबको ऐसा लगता है कि यह इस वीक का हाईलाइट था।

परवरिश, परिवार, मोरालिटी, क्या वो टास्क अपने सभ्यता को लेकर था। आप लोगों को मुझसे माफी मांगने की जरूरत नहीं है। आपने जो भी किया, अब मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं यहां से जा रहा हूं। मैं यह शो छोड़ रहा हूं। इसके बाद वह स्टेज से चले जाते हैं। सभी लोग देखकर दंग रह जाते हैं। इसके साथ ही सलमान खान घरवालों पर जमकर बरसते दिखे हैं। ये प्रोमोज सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। जिसमें दबंग स्टार बिग बॉस ओटीटी 2 के आने वाले एपिसोड में घरवालों की जमकर क्लास ले रहे हैं। आने वाले एपिसोड में सलमान खान का गुस्सा घर के दो मुख्य सदस्यों जैड हदीद और बेबिका धुवे पर फूटने वाला है। ऐसे में अब क्या सलमान सच में शो छोड़कर चले जाएंगे या नहीं यह तो पूरा एपिसोड देखने के बाद ही पता चलेगा।

अपने इस नए ड्रेस कोड से उर्फी जावेद ने की बेशर्मी सारी हदें पार, बॉडी के इस पार्ट को किया रिवील, लोग हुए शर्मसार

अपने अतरंगी फैशन और अतरंगी लिबासो से जाने जानी वाली एक्ट्रेस उर्फी जावेद के फैशन सेंस को देखना अब लोगो के लिए आम बात हो गई है। ट्रोलिंग और उर्फी का तो मानों जैसे चोली दामन जैसा नाता है। ऐसी ही कोई ड्रेस होगी जिसके लिए उर्फी जावेद को ट्रोल न किया जाता हो। हाल ही में उर्फी ने अपने इंस्टाग्राम पर बीते दिनों पहले एक वीडियो शेयर किया था जिसमें कुछ लोग उनकी बॉडी पर पीओपी यानी प्लास्टर ऑफ पैरिस डालते दिख रहे थे। इस वीडियो के लिए भी उर्फी को जमकर ट्रोल किया गया था। लेकिन इन सब से हटकर हर कोई ये जानने के लिए बेताब था कि आखिर अब उर्फी कोनसा नया बवाल खड़ा करने वाली है। वही अब फैंस की क्यूरिओसिटी और न बढ़ाते हुए उर्फी जावेद ने अपनी पीओपी यानी प्लास्टर ऑफ पैरिस से बनी ड्रेस को रेविल किया है। सामने आई वीडियो के लिए उर्फी जावेद को लगातार ट्रोल किया जा रहा है। दरअसल उर्फी जावेद अजियो के ग्रैजिया मिलेनियल अवॉर्ड्स में पीओपी से बनी ड्रेस पहन पहुंची। इस दौरान उनके ऑउटफिट ने सबको सोच में डाल दिया। अजियो के ग्रैजिया मिलेनियल अवॉर्ड्स में गोल्ड ब्रेस्ट प्लेट ड्रेस उर्फी ने पहनी। इस ड्रेस को पहन कर उर्फी इस इवेंट में चली तो गई लेकिन ट्रोलर्स के निशाने पर आगई। सामने आई इस वीडियो पर यूजर लगातार भर-भर कमेंट कर दिखाई दे रहे है। एक यूजर ने इस वीडियो पर कमेंट कर लिखा- बाप रे, ये लड़की कुछ भी कर सकती है...एक और यूजर ने लिखा ये भी क्यो पहन लिया बहन, नंगी घूम... एक और यूजर ने लिखा अब मोदी जी आएंगे इनसे बात करने... एक और यूजर ने कहा- उर्फी के खिलाफ शिकायत होनी चाहिए, वे देश की सभ्यता खराब कर रही हैं।

अब तक उर्फी ने पिज्जा की स्लाइस से लेकर बिजली की तारों तक, कांच के टुकड़े से लेकर ग्रीन टी बैग्स तक एक्ट्रेस इसी तमाम चीजे अपने फैशन सेंस में यूज करती रहती है और आए दिन अपने कपड़ों से नया बवाल खड़ा करती दिखाई देती है। लेकिन उर्फी की इस ड्रेस ने सभी फैंस को शर्मसार कर दिया।

इलियाना डिक्रूज ने शेयर की अपने बॉयफ्रेंड की फोटो, डॉगी के साथ खेलता दिखा एक्ट्रेस का मिस्ट्री मैन

बॉलीवुड की डिवा कही जाने वाली इलियाना डिक्रूज इन दिनों अपना प्रेग्नेंसी पीरियड इंजॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस ने आज से तीन महीने पहले अपने प्रेगनेंसी की अनाउसमेंट की थी। जिसके बाद से एक्ट्रेस लगातार अपने बेबी बंप की तस्वीरें भी शेयर करती रहती हैं। हालांकि इस बच्चे का पिता कौन है इस बात का काहुलसा अभी तक नहीं हो पाया हैं। ऐसे में अब इलियाना ने कुछ धुंधली झलकियां शेयर करते हुए अपने बॉयफ्रेंड के लिए प्यार का इजहार कर चुकी हैं। दअरसल इलियाना ने अपने लव ऑफ लाइफ की एक तस्वीर इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की है। इस तस्वीर में उनके बॉयफ्रेंड उनके डॉगी को प्यार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस फोटो के साथ इलियाना ने कैप्शन में लिखा-पपी लव इसके अलावा एक्ट्रेस ने एक और फोटो शेयर की है जिसमें वे अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं।इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा- रुदवजमजवेमर्स टमाटर सॉस बनाते समय सफेद पजामा पहनकर ज्यादा कॉन्फिडेंस में न आएं.बता दें कि कुछ वक्त पहले भी इलियाना ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ अपनी एक मोनोक्रोम फोटो शेयर की थी. इस तस्वीर के साथ इलियाना ने एक लंबा नोट लिखा था जिसमें उन्होंने अपना प्रेग्नेंसी एक्सीपीरियंस शेयर किया था और अपने बच्चे के पिता की तारीफ की थी. बॉयफ्रेंड की तारीफ करते हुए इलियाना ने लिखा था-और जिन दिनों मैं खुद पर रहम करना भूल जाती हूं, यह प्यारा आदमी मेरी चट्टान रहा है. इसी के साथ इलियाना यह भी कहते दिखी थी की-जब उसे लगता है कि मैं टूटने लगी हूं तो वो मुझे पकड़ लेता है और आंसू पोंछ देता है और मुझे मुस्कुराने के लिए चुटकुले सुनाता है... या बस गले लगाने का ऑफर देता है क्योंकि वह जानता है कि मुझे उस पल में यही चाहिए...और अब सब कुछ इतना मुश्किल नहीं लगता. बता दें कि इलियाना डिक्रूज कुछ साल पहले एंड्रयू नीबोन के साथ रिलेशनशिप में थीं। एक्ट्रेस ने एक बार इंस्टाग्राम पोस्ट पर नीबोन को ष्बेस्ड हबीष् के रूप में भी मेंशन किया था जबकि ये क्लियर नहीं था कि दोनों शादीशुदा थे या नहीं। 2019 में उनका ब्रेकअप हो गया था. वहीं हाल ही में ये खबर आई थी कि इलियाना कैटरीना कैफ के भाई सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल को डेट कर रही हैं। कॉफी विद करण सीजन 7 के एक एपिसोड में करण जौहर ने इनके रिश्ते को कंफर्म भी किया था।

अनुष्का शर्मा के भाई कर्णेश शर्मा और तृप्ति डिमरी का हुआ ब्रेकअप! इंस्टा पर किया अनफॉलो

फिल्म कला में अपनी शानदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बना ली है। हालांकि वो अपनी फिल्मों से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। पिछले काफी टाइम से ऐसी खबरें बॉलीवुड गलियारों से सामने आ रही थी कि तृप्ति और अनुष्का शर्मा के भाई और फिल्ममेकर कर्णेश शर्मा एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। सोशल मीडिया पर दोनों ने कई बार रोमांटिक फोटो भी शेयर कर इस बात का हिंट भी दिया था। भले ही उन्होंने कभी भी अपने रिश्ते की ऑफिशियल घोषणा नहीं की। तृप्ति डिमरी ने कर्णेश शर्मा की दो सबसे पसंदीदा फिल्में बुलबुल और कला में लीड रोल किया। वहीं, अब खबरें है कि तृप्ति और कर्णेश शर्मा का ब्रेकअप हो गया है। दरअसल, तृप्ति डिमरी और कर्णेश शर्मा ने एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। तभी से दोनों के ब्रेकअप की खबरें सामने आने लगी है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टा से कर्णेश के साथ अपनी सारी तस्वीरें भी डिलीड कर दी है, जिससे दोनों के अलग होने की खबरों को और हवा मिल गई। इतना ही नहीं, कर्णेश शर्मा ने भी अपने पेज से कला और बुलबुल से तृप्ति डिमरी के कैरेक्टर पोस्टर को हटा दिया है। हालाकिं अभी तक तृप्ति डिमरी और कर्णेश शर्मा के ब्रेकअप की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। भले ही दोनों के अलग होने के पीछे की वजह से अभी सामने नहीं आई है लेकिन कहा जा रहा है कि टाइम के साथ सोच में मतभेद के कारण ये दोनों अलग हो गए। मगर दोनों के ब्रेकअप को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता है क्योंकि आज तक दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो तृप्ति डिमरी रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान
पूर्वांचल | 8
लखीमपुर खीरी, सोमवार 03 जुलाई, 2023

बैनामा की हुई जमीन पर दबंग कर रहे कब्जा

मिजार्पुर। जिले की चारों तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा व मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने सदर तहसील में लोगों की समस्याओं की सुनवाई की। तहसील सदर में कुल 355 प्रार्थना पत्र आए। इनमें से मौके पर सिर्फ सात का निस्तारण हो पाया। तहसील दिवस पर रामानंद निवासी रमईपट्टी ने आवेदन देकर परिवारिक पेंशन दिलाने की मांग की। इसके लिए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। छेदी लाल विश्वकर्मा निवासी ग्राम सेमरी विंध्याचल ने शिकायत की कि उनकी बैनामा कराई गई जमीन पर दबंग कब्जा कर रहे हैं। इस जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर को मौके पर जांच नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर चन्द्रभानु सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, तहसीलदार सदर अरुण गिरी, जिला पंचायत राज अधिकारी अरविन्द कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी उमेश चन्द्र आदि मौजूद रहे। उधर, अन्य तीनों तहसीलों में भी अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं की सुनवाई की। चुनार तहसील सभागार में एसडीएम नवनीत सेहारा ने लोगों की शिकायतों की सुनवाई की। इस दौरान भरपुर निवासी विनोद कुमार गुप्ता ने शिकायती की कि उनके नाबालिग पुत्र से सेटलमेंट एरिया निवासी एक व्यक्ति प्रताड़ित कर जबरिया काम करा रहा है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि बच्चे को दो माह से मजदूरी नहीं दी गई है और एक सादे स्टाम्प पर मारपीट कर जबरिया हस्ताक्षर भी बनवा लिया गया है। सझौली निवासी विटलेश कुमार पाल ने गांव के ही एक व्यक्ति पर आरोप लगाया है कि विपक्षी उनके पुश्तैनी मकान की नींव से सटाकर गड्ढा खोदकर घर का गंदा पानी बहा रहा है। इसके चलते मकान को क्षति पहुंच रही है। इस दौरान कुल 91 प्रार्थना पत्र आए। इनमें से मौके पर 15 का निस्तारण हुआ। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक उमाशंकर सिंह, तहसीलदार नुपूर सिंह, खंड विकास अधिकारी नरायनपुर शिव नारायण सिंह, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी राजपति बैस आदि मौजूद रहे। लालगंज तहसील सभागार में एडीएम वित्त शिव प्रताप शुक्ला व उप जिलाधिकारी बीएल सरोज ने लोगों की शिकायतों की सुनवाई की। इस दौरान आए कुल 159 प्रार्थना पत्रों में से पांच का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष प्रार्थना पत्र निस्तारण के लिए राजस्व एवं पुलिस टीम संयुक्त रूप से करेगी। शिकायतों में राजस्व से संबंधित 55 , पुलिस से संबंधित 24, शिक्षा व समाज कल्याण विभाग से संबंधित तीन तथा विकास से संबंधित 22 प्रार्थना पत्र आए। इसके अलावा 54 अन्य प्रार्थना आए। उधर, मड़िहान तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य राजस्व अधिकारी सत्यप्रकाश सिंह ने लोगों की शिकायतों की सुनवाई की। इस दौरान 63 शिकायतें आईं। इनमें से दो का मौके पर निस्तारण किया गया। शिकायती पत्र लेकर पहुंचे। दो मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया, बाकी समस्याओं को गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने के लिए एक पखवाड़े का समय दिया गया है। ढढ़िया गांव निवासी श्यामाकांत तिवारी ने शिकायत की कि दो दशक पूर्व गांव की चकबंदी हुई थी। चकबंदी के बाद कब्जे को लेकर भूस्वामियों में असंतोष था। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर तत्कालीन मुख्य राजस्व अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ढढ़िया गांव का स्थलीय निरीक्षण किया। कुछ किसानों के जमीन की पैमाइश कराई गई। उन्होंने बताया कि दो वर्ष भी तत्कालीन मुख्य राजस्व अधिकारी ने उपसंचालक चकबंदी को टीम गठित कर ढढ़िया गांव का सर्वे कराने का निर्देश दिया था, लेकिन आज तक न सर्वे हुआ और न ही रिपोर्ट भेजी गई। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मुख्य राजस्व अधिकारी सत्यप्रकाश ने तहसीलदार को संबंधित लेखपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने का निर्देश दिया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह भी मौजूद रहे।

महिला को ऑटो से अस्पताल लाए चार लोग, डॉक्टर ने बताया मृत तो छोड़कर भाग गए

वाराणसी। एक महिला को ऑटो में लेकर चार लोग जिला अस्पताल पहुंचे। डॉक्टर ने जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन रोते बाहर निकले और महिला के शव को अंधेरे में परिसर में ही रखकर फरार हो गए। वाराणसी में दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर परिसर में शनिवार की देर शाम एक महिला का शव रखकर परिजन ऑटो से भाग गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है। अस्पताल में लगे सीसीटीवी से पहचान की जा रही है। एक महिला को ऑटों में लेकर चार लोग जिला अस्पताल पहुंचे। डॉक्टर ने जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन रोते बाहर निकले और महिला के शव को अंधेरे में परिसर में ही रखकर फरार हो गए। जिला अस्पताल के चौकी प्रभारी गंगा यादव ने बताया कि सीसी कैमरे के माध्यम से ऑटो सवार की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। उसके शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

केक काटकर मनाया अखिलेश यादव का 50 वां जन्मदिन

चंदौली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन शनिवार को लोक कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया। केक काटकर अखिलेश यादव के दीघार्यु की कामना की गई। इस मौके पर हुई गोष्ठी में देश की वर्तमान परिस्थितियों में पार्टी की भूमिका पर चर्चा की गई। जीटी रोड स्थित पार्टी कार्यालय पर जन्मदिन समारोह में पूर्व सांसद रामकिशुन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिवस आज लोक कल्याण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। कहा कि संविधान की रक्षा के लिए दलितों,पिछड़ों, शोषित समाज को एकजुट होने की जरूरत है। नफरत की राजनीति करने वाली भाजपा सरकार को हम सभी मिलकर उखाड़ फेंकने का काम करें। इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख बाबूलाल यादव, राजकुमार जायसवाल, बैजनाथ यादव, तेजबली यादव, आर्शी सलाम, आदि रहे। कमालपुरः स्थानीय कस्बे में भी जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर पीयूष यादव, अभिलाष, महेन्द्र, रणवीर, रोहित, माजिद, आनंद आदि रहे। सकलडीहा स्थित कार्यालय पर शनिवार को कार्यकताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया। विधायक प्रभुनारायण सिंह यादव ने कहा कि विपक्षी दलों की एकजुटता से भाजपा सरकार बौखला गई है। सुशासन की बात करने वाली सरकार में थाना व न्यायालय में हत्या हो जा रही है। वहीं जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर, रविंद्र प्रताप सिंह, मुसाफिर चौहान, सुबेदार राजभर, रामउजागिर गोंड, नफीस अहमद व मुन्ना सिंह आदि ने कार्यकताओं से देश को भाजपा मुक्त बनाने का आह्वान किया।

वाराणसी में बढ़ रहा गंगा का जलस्तर, 59.21 मीटर पर पहुंचा, सतर्कता बढ़ी

वाराणसी। शनिवार की सुबह 8:30 बजे जारी आंकड़ों के अनुसार गंगा के जलस्तर में ठहराव दर्ज किया गया। गंगा का जलस्तर 59.21 मीटर पर ठहर गया था। 10 बजे से गंगा के जलस्तर में एक सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ाव होने लगा और रात आठ बजे से गंगा के जलस्तर में दो सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ाव शुरू हो गया। गंगा के जलस्तर में ठहराव के बाद बढ़ाव शुरू हो गया। शनिवार की रात 10 बजे गंगा का जलस्तर 59.32 मीटर दर्ज किया गया। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा के जलस्तर में दो सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ाव हो रहा है। शनिवार की सुबह 8:30 बजे जारी आंकड़ों के अनुसार गंगा के जलस्तर में ठहराव दर्ज किया गया। गंगा का जलस्तर 59.21 मीटर पर ठहर गया था। 10 बजे से गंगा के जलस्तर में एक सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ाव होने लगा और रात आठ बजे से गंगा के जलस्तर में दो सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ाव शुरू हो गया। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण गाजीपुर और बलिया में भी गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। प्रयागराज, फाफामऊ और मिजार्पुर में भी गंगा का जलस्तर में बढ़ाव जारी है।

बारिश में सैदपुर की विद्युत व्यवस्था फेल, 40 घंटों बाद आई बिजली

वाराणसी। बारिश ने बिजली विभाग की पोल खोल कर रख दी है। बृहस्पतिवार की रात आठ बजे गुल हुई बिजली ने शनिवार को दोपहर 12 बजे दर्शन दिया। करीब 40 घंटों के लिए गायब हुई बिजली गुल होने से जहां उपभोक्ता परेशान रहे, वहीं फाल्ट को ढूंढ़ने और उसे ठीक करने के लिए बिजली कर्मी पूरे दो रात खाक छानते रहे। सैदपुर एक्सईएन आशीष चौहान ने बताया कि बिजली गिरने से भीमापार विद्युत उपकेंद्र में लगी मशीन और उसकी तीन रीलें जल गई थी। जिन्हें मरम्मत के लिए वाराणसी भेजा गया। वहीं खानपुर विद्युत उपकेंद्र की मशीन में छिपकली घुस जाने से ब्रेकर खराब हुआ, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित रही। सबसे अधिक परेशानी अनौनी बाजार स्थित सौना विद्युत उपकेंद्र के हजारों उपभोक्ताओं को झेलनी पड़ी। यहां एकौझी नदी के ताल में खड़े बिजली के तीन पोलों पर आकाशीय बिजली गिरने से उस पर लगे 13 इंसुलेटर ध्वस्त हो गए थे।

फ्लैट में दूसरी बीबी के साथ था पति, तभी आ धमकी पहली पत्नी, पति ने दरवाजा खोला तो रह गया हक्का बक्का

वाराणसी। शिवपुर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली युवती की शादी दो साल पहले बड़ागांव थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक से हुई थी। विवाहिता का आरोप है कि शादी के बाद कुछ माह तक सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा था। लेकिन बाद में विवाहिता को पता चला कि उसका पति पड़ोस के गांव में रहने वाली दूसरी लड़की से प्यार करता है। शिवपुर थाना क्षेत्र के तरना इलाके में स्थित एक अपार्टमेंट में रविवार सुबह आठ बजे एक विवाहिता ने अपने पति की पिटाई कर दी। आरोप है कि पति अपनी दूसरी पत्नी के साथ रह रहा था। फिलहाल भीड़ जुटने पर किसी तरह पत्नी के चंगुल से छूटकर पति वहां से फरार हो गया। बाद में लोगों ने महिला को भी वहां से समझा-बुझाकर वापस भेज दिया। यह भी बता दें कि अभी कुछ दिन पूर्व पत्नी द्वारा अपने पति सास-ससुर और देवर के खिलाफ दहेज प्रताड़ना सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जानकारी अनुसार शिवपुर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली युवती की शादी दो साल पहले बड़ागांव थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक से हुई थी। विवाहिता का आरोप है कि शादी के बाद कुछ माह तक सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा था। लेकिन बाद में विवाहिता को पता चला कि उसका पति पड़ोस के गांव में रहने वाली दूसरी लड़की से प्यार करता है। इस बात को लेकर दोनों में कहासुनी हुई। इसके अलावा ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे और देवर द्वारा विवाहिता के साथ अश्लील हरकत किया जाने लगा। विरोध करने पर लोगों ने उसे घर से बाहर निकाल दिया। इसी मामले में विवाहिता द्वारा शिवपुर थाने में पति के साथ ही सास, ससुर और देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद पुलिस द्वारा पति और ससुरालियों की खोजबीन की जा रही थी। इसी बीच विवाहिता को किसी से सूचना मिली कि उसका पति अपनी प्रेमिका के साथ तरना में स्थित एक अपार्टमेंट में किराए का कमरा लेकर रहता है। रविवार सुबह आठ बजे विवाहिता अपार्टमेंट में पहुंची। अपार्टमेंट में कमरा नंबर 402 खुलवाने पर कमरे के अंदर से उसका पति बाहर निकला। पति को देखकर वह आग बबूला हो गई और उसे पीटने लगी। युवती द्वारा युवक की पिटाई होता देख अपार्टमेंट में मौजूद अन्य लोग भी अपने कमरे से बाहर निकले। लोग कुछ समझ पाते इसी बीच अपनी पत्नी को धक्का देते हुए उसका पति वहां से भाग निकला। विवाहिता द्वारा आरोप लगाया गया कि उसकी प्रेमिका भी कमरे में थी जिसे लोगों ने भगा दिया। वहीं इस बारे में सुरक्षा गार्ड बसंत विश्वकर्मा द्वारा बताया गया कि रविवार को प्रेमिका अपार्टमेंट में नहीं थी। फिलहाल पत्नी द्वारा अपार्टमेंट में हंगामा किए जाने और पति के फरार हो जाने के मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चा चल रही है।

बीमारी से तंग आकर युवक ने फंदे पर लटककर दी जान, छोटे भाई ने देखा तो पैरों तले जमीन खिसकी

मिजार्पुर। जिगना थाना क्षेत्र के बिहसड़ा कला (कोइरान) निवासी रमेश कुमार उर्फ सुदामा पुत्र रामपति उर्फ झल्लर रविवार की सुबह छह बजे जब परिवार के सदस्य खेत में काम करने चले गए तो कमरे को अंदर से बंद कर लिया। रमेश रोशनदान में मफलर बांध कर फंदे से लटक गया। जिगना थाना क्षेत्र के बिहसड़ा कला (कोइरान) गांव में एक युवक ने बीमारी से तंग आकर रविवार की सुबह फंदे पर लटककर जान दे दी। जिगना थाना क्षेत्र के बिहसड़ा कला (कोइरान) निवासी रमेश कुमार उर्फ सुदामा (29) पुत्र रामपति उर्फ झल्लर रविवार की सुबह छह बजे जब परिवार के सदस्य खेत में काम करने चले गए तो कमरे को अंदर से बंद कर लिया। रमेश रोशनदान में मफलर बांध कर फंदे से लटक गया। सुबह सात बजे छोटा भाई रविशंकर आया। वह रमेश को खोजने लगा। कमरा अंदर से बंद होने पर आवाज लगाई। कोई जवाब नहीं आने पर खिड़की से झांका तो रमेश फंदे से लटका दिखाई दिया। रविशंकर ने शोर मचाया। मौके पर पहुंचे लोग खिड़की तोड़कर कमरे में घुसे। रमेश को फंदे से नीचे उतारा तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर थानाध्यक्ष जिगना अरविंद कुमार पांडेय पहुंचे। कर शव को कब्जे में लेकर पोष्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुत्र की मौत से मां गीता देवी व पिता झल्लर उर्फ रमापति सहित परिजनो का रो-रोकर हाल बेहाल है । मृतक के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीमारी के चलते रमेश ने ऐसा कदम उठाया है । मृतक कई माह से बीमार था। वाराणसी से इलाज हो रहा था । मृतक तीन बहन दो भाई में चौथे नम्बर पर था। शादी नहीं हुई थी। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार पांडेय ने बताया कि युवक बीमारी व दवा से परेशान था। फंदे पर लटककर जान दे दिया। शव को कब्जे में लेकर पोष्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

कभी धूप..कभी बारिश, वाराणसी में मौसम खेल रहा आंख मिचौली, बिजली आपूर्ति भी हुई बाधित

वाराणसी। हवा की रफ्तार भी थम गई, हालांकि शाम को बारिश होने से उमस से राहत मिली, लेकिन शहर में कई जगहों पर जलभराव हो गया। इससे आवागमन भी प्रभावित रहा। मानसून के सक्रिय होने से मौसम का मिजाज तेजी से बदला है। शनिवार को भोर में बूंदाबांदी के बाद दिन में तेज धूप हुई। हवा की रफ्तार भी थम गई, हालांकि शाम को बारिश होने से उमस से राहत मिली, लेकिन शहर में कई जगहों पर जलभराव हो गया। इससे आवागमन भी प्रभावित रहा। मौसम विभाग ने पिछले 24 घंटे में 30 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड किया है। वहीं, रविवार को भी आसमान में बादलों ने डेरा डाला हुआ है। शनिवार शाम करीब पांच बजे तेज हवा के साथ बारिश शुरू हुई। करीब आधे घंटे तक इतनी तेज बारिश हुई कि शहरी, ग्रामीण इलाकों में हर तरफ पानी जमा हो गया। बारिश की वजह से अंधरापुल, महमूरगंज, गोदौलिया, कोनिया, चेतगंज, लहुराबीर, भिखारीपुर, चितईपुर, लहरतारा आदि जगहों पर पानी भर गया। नालियां भी जाम हो गईं, जिस वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शनिवार को दिन में धूप का असर तापमान पर भी देखने को मिला। शनिवार को अधिकतम तापमान 35.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। सीवर ओवरफ्लो, सड़क पर बह रहा नाली का पानी सरैया वार्ड के आधा दर्जन मुहल्लों में सीवर ओवरफ्लो हो गया। इससे लोगों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। सरैया के राजभंडार, मुस्लिमपुरा, सूफी शहीद, हाजी कटरा, तकिया, निबुआरिया मुहल्ले में दो माह से सीवर जाम है। रामनगर के मच्छरहट्टा वार्ड में सीवर जाम होने से नाली का पानी सड़क पर बह रहा है। बारिश के समय पहले से कहीं अधिक समस्या हो गई है। लोकल फाल्ट, लो वोल्टेज ने बढ़ाई परेशानी बारिश के मौसम में लोकल फाल्ट के साथ ही लो वोल्टेज की समस्या भी बढ़ गई है। मंडुवाडीह उपकेंद्र के तहत आने वाले महेशपुर, लहरतारा, चांदपुर के साथ ही भगवानपुर, नरिया, लंका आदि इलाकों में कहीं तार से स्पार्किंग की वजह से विद्युत आपूर्ति बाधित रही तो कहीं लोगों को लो वोल्टेज से जूझना पड़ा। उपकेंद्र पर फोन कर लोगों ने अपनी समस्याएं बताईं।

साहब, साल भर से नहीं हो रही जमीन की पैमाइश

चित्रकूट। डीएम अभिषेक आनंद व एसपी वृंदा शुक्ला की मौजूदगी में तहसील सभागार कर्वी में संपूर्ण समाधान दिवस हुआ। करीब साल भर से परेशान फरियादी ने भूमि पैमाइश न होने की शिकायत की। उन्होंने फरियादियों की शिकायतों को सुनकर संबन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए। कहा कि पारदर्शिता के साथ शिकायतों का करें निस्तारण कराया जाए। ग्राम नारायणपुर के रामस्वरूप, संतोष कुमार, राधेश्याम ने डीएम को सौपे पत्र में कहा कि क्षेत्रीय लेखपाल व कानूनगो ने उप जिलाधिकारी न्यायालय के आदेश के बावजूद भूमि की पैमाइश नहीं कराई। जबकि सरकारी फीस भी राजस्व विभाग में जमा कर दी गई है। 12 महीने व्यतीत हो गए। आज तक निस्तारण नहीं किया गया। इस मामले में एसडीएम ने कानूनगो को निर्देश दिए कि मौके पर जाकर भूमि की पैमाइश कराते हुए समस्या का निस्तारण कराया जाए। इस मौके पर सीओ सिटी हर्ष पांडेय, पीडी ऋषिमुनि उपाध्याय, डीडीओ आरके त्रिपाठी, बीएसए लव प्रकाश यादव, डीपीओ मनोज कुमार, तहसीलदार राकेश कुमार पाठक, नायब तहसीलदार आरएन मिश्रा, डीआईओएस देवेन्द्र स्वरूप, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी यशवंत कुमार मौर्य सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

तीन सिपाहियों का बालू लदे ट्रक से वसूली का ऑडियो वायरल

चंदौली। सैयदराजा थाने में तैनात तीन सिपाहियों का बालू लदे ट्रकों से वसूली का ऑडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। एसपी अंकुर अग्रवाल ने तीनों सिपाहियों को तत्काल चकरघट्टा थाने में ट्रांसफर कर दिया है। वहीं मामले की जांच सीओ सदर को सौंप दी है। आरोप है कि सैयदराजा थाने में तैनात कुछ सिपाही पूरी रात ट्रकों को रोककर उनसे 10 से 20 हजार रुपये प्रति ट्रक से उगाही करते रहे। इसके चलते हाईवे पर जाम की स्थिति भी बनी रही। सूत्रों की माने तो अवैध वसूली में पूरा थाना ही संलिप्त है। अवैध वसूली में थाने के तीन सिपाहियों सहित बरठी कमरौर, धुरीकोट और बिहार के तीन बिचौलियों का नाम सामने आ रहा है। एक ही रात लाखों रुपये का वारा-न्यारा हुआ। किसी ट्रक मालिक ने सिपाही के साथ बातचीत का आडियो रिकार्ड कर उसे वायरल कर दिया। एसपी अंकुर अग्रवाल ने कहा कि ट्रकों से अवैध वसूली से जुड़ा आडियो प्राप्त हुआ। सीओ सदर इसकी जांच कर रहे हैं। फौरी कार्रवाई के तौर पर सैयदराजा थाने के तीन सिपाहियों को चकरघट्टा भेज दिया गया है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो पक्षों में मारपीट, नौ महिलाओं का चालान

भदोही। कोतवाली क्षेत्र के सोनखरी गांव में शनिवार को दो पक्षों में मारपीट होने से कई लोग घायल हो गये। दोनों पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने दोनों पक्ष से शामिल नौ महिलाओं का चालान कर दिया। साहिन बानो की शादी सोनखरी निवासी राजू उर्फ मोहम्मद रिजवान से हुई है और साहिन तीन पुत्रियों की मां है, लेकिन पुत्र नहीं है। आरोप है कि परिवार में पुत्र न होने को लेकर साहिन कई वर्षों से उलाहना बर्दाश्त कर रही थी। सास-ससुर इस बात की धमकी देते रहते हैं कि पुत्र की दूसरी शादी कर देंगे। किसी अनहोनी के डर से साहिन कमरे का ताला बंद कर मायका निगजपुर-हंडिया प्रयागराज चली गई। बताया जा रहा है कि साहिन अपने ससुराल सोनखरी नहीं आना चाहती थी, लेकिन किसी तरह समझा बुझाकर उसकी बहन उसे लेकर सोनखरी पहुंची, तो देखा कि साहिन के कमरे का ताला तोड़कर ससुराल पक्ष के लोग बैठे हैं। साहिन के विरोध करने पर दोनों पक्ष में जमकर मारपीट शुरू हो गई और कई लोगों को चोटें भी आईं। बताया जा रहा है कि चौकी पुलिस से हुई शिकायत पर पीड़ित साहिन और उसकी बहन होमगार्ड के साथ चौकी आ रहे थी। उस समय भी ससुराल पक्ष के लोगों ने रास्ते में घेरेबंदी कर पिटाई की। उप निरीक्षक मनोज राय ने बताया कि दोनों पक्ष की शिकायत पर एक पक्ष से पांच और दूसरे पक्ष से चार कुल नौ महिलाओं का चालान शांतिभंग के आरोप में कर जांच की जा रही है।

चंदासी उपकेंद्र से दस घंटे ठप रही बिजली आपूर्ति

चंदौली। साहूपुरी से चंदासी उपकेंद्र को आने वानी 33 हजार वोल्ट लाइन के तार की सीटी जल जाने के कारण शुक्रवार की रात 10 बजे से शनिवार को भोर में साढ़े तीन बजे तक सभी सातों फीडरों से की बिजली आपूर्ति बाधित रही। इसके बाद शनिवार को सुबह 11 बजे चंदासी उपकेंद्र में लगा सीटी (करंट ट्रांसफार्मर) धू-धूकर जलने लगा। इससे फिर से सभी फीडरों की बिजली गुल हो गई। करीब साढ़े तीन बजे के बाद आपूर्ति बहाल हो पाई। इस तरह करीब दस घंटे बिजली कटने से लोग परेशान रहे। शुक्रवार की रात 10 बजे साहूपुरी उपकेंद्र से चंदासी उपकेंद्र को आने वागी 33 हजार वोल्ट लाइन के तार में लका इंसुलेटर जल जाने से आपूर्ति ठप हो गई। खेतों में बारिश का पानी भर जाने से कर्मचारियों को फॉल्ट तलाशने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद भोर में साढ़े तीन बजे आपूर्ति बहाल हो पाई। इसके बाद शनिवार को सुबह 11 बजे आपूर्ति फिर से ठप हो गई। पता चला कि चंदासी उपकेंद्र में लगे सीटी (करंट ट्रांसफार्मर) जल गया है, जिससे सभी फीडरों की आपूर्ति बाधित हो गई है। बिजली के बिना उमस से लोग परेशान रहे। रात में नींद खराब होने के बाद दिन में भी लोग बिजली के लिए तरसते रहे। बिजली कर्मियों ने नया ट्रांसफर्मर लगाकर साढ़े तीन घंटे बाद आपूर्ति बहाल की।

दो बाइकों की टक्कर में दंपती समेत चार घायल

चित्रकूट। दो बाइकों की टक्कर में दंपती व मासूम समेत चार लोग घायल हो गए। इसके अलावा अन्य हादसे में एक युवक घायल हुआ है। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पहाड़ी कस्बे के शिवमिलन (32) व पत्नी विद्या (28) शनिवार की सुबह बाइक से मानिकपुर में एक रिश्तेदार के निधन होने पर उसके अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान राजापुर थाना क्षेत्र के गंज निवासी लवकुश (35) अपने तीन वर्षीय पुत्र अतुल को लेकर बाइक से मुख्यालय कर्वी आ रहा था। रैपुरा थाना क्षेत्र के लालापुर स्थित असावर माता मंदिर के समीप दोनो बाइकों की भिड़ंत होने पर चारो लोग घायल हो गए। दोनों बाइक चालक हेलमेट पहने थे। इसी क्रम में बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के खांच पुरवा निवासी रामसुहावन (35) बाइक से अचानक संतुलन बिगड़ने से सड़क पर गिरकर घायल हो गया। बाइक चालक हेलमेट नहीं पहने था। सभी घायलों को जिला अस्पताल में उपचार दिया गया है।

अब तक स्थापित न हो सका लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट

गाजीपुर। कोरोना संक्रमण काल में ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित कर लोगों की टूट रही सांसों को नया जीवन दिया गया। उस आपात स्थिति को ध्यान में रखते हुए शासन की ओर से लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट स्थापित कराने को कहा गया। प्लांट के सभी उपकरण आए दो माह से ऊपर हो चुके हैं, लेकिन संचालन तो दूर उन्हें अभी तक स्थापित ही नहीं कराया जा सका है। जबकि जिस स्थान पर प्लांट लगना हैं, वहां से गुजर रहे हाईटेंशन तार को हटे बीते बीस दिन हो गए, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। संक्रमण का प्रभाव कम होने के बाद अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित कराया गया। इसके बाद शासन ने लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंक स्थापित कराने का निर्देश दिया, जिससे ऑक्सीजन की किल्लत को दूर किया जा सके। लिक्विड ऑक्सीजन के एक लीटर से 870 लीटर गैसीय ऑक्सीजन मिलेगा। सीएमओ कार्यालय परिसर में ट्रामा सेंटर के सामने खाली पड़ी भूमि में टैंक स्थापित कराने के लिए फाउंडेशन एवं कक्ष का निर्माण कराया जाना था। प्लांट के उपकरण आए करीब दो माह से अधिक दिन बीत गए, लेकिन अब तक न तो कक्ष और न ही फाउंडेशन नहीं बन सका है। यहीं नहीं ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार को भी हटा दिया गया है, बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। इस संबंध में महर्षि विश्वामित्र स्वशासी मेडिकल कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद मिश्रा ने बताया कि हाईटेंशन तार हटवाए करीब 20 दिन हो गए और कार्यदायी संस्था को इसकी जानकारी दे दी गई है। कॉपर पाइप लाइन से होगी सप्लाई गाजीपुर। टैंक से लिक्विड ऑक्सीजन पाइप के सहारे वहां लगे संयंत्रों में पहुंचेगी, जहां से वह गैसीय ऑक्सीजन के रूप में परिवर्तित होगा। इसके बाद कॉपर पाइप लाइन से गैसीय ऑक्सीजन की सप्लाई जिला और महिला अस्पतालों को होगी, जिससे मरीजों को ऑक्सीजन की किल्लत का सामना न करना पड़े।